हिन्दी दैनिक

RNI : CTHIN/25/A1911

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 96 ● भिलाई, गुरुवार 16 अक्टूबर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

अक्षरा सिंह पर चढ़ा राजस्थान का सतरंगी रंग, फैंस ने खुलकर लुटाया प्यार

कोटा। भोजपुरी की जानी मानी अदाकारा अक्षरा सिंह फैंस के दिलों पर राज करती हैं। एक्ट्रेस के गाने और फिल्में यूट्यूब पर छाए रहते हैं और मिलियन में व्यूज लाते हैं। अब अक्षरा को कोटा में अपने आवाज का जादू चलाते हुए देखा गया, जहां लाइव परफॉर्मेंस में फैंस ने जमकर अक्षरा सिंह पर प्यार लुटाया है। अक्षरा सिंह ने अपना इंस्टाग्राम अपडेट किया है, जिसमें वो रेड साड़ी में दिख रही हैं और सिर पर सतरंगी पगड़ी पहन रखी हैं। एक्ट्रेस राजस्थान के कोटा में कार्यक्रम के लिए पहुंची थी, जहां उनके साथ सिंगर सुगम सिंह भी दिखे। दोनों ने मिलकर फैंस को नाचने को मजबूर कर दिया। इतना ही नहीं, उन्होंने राजस्थानी फोक सॉन्ग कालयो कूद पड़यो मेळा मैं भी गाया है। कार्यक्रम का वीडियो शेयर कर अक्षरा ने फैंस का भी दिल से धन्यवाद दिया है। उन्होंने लिखा, आज कोटा में अपने लोगों से प्यार पाकर बहुत अच्छा लगा। कभी-कभी सोचती हूं कहां से कहां पहुंचा दिया आप लोगों ने। बहुत प्रेरक शक्ति दी है मुझे। जब तक हूं, साथ बनाए रखना। फैंस भी अक्षरा सिंह के कार्यक्रम की खूब तारीफ कर रहे हैं।

पंजाब में राज्यसभा के लिए बड़ा फर्जीवाड़ा, कई विधायकों ने कहा हमारी मुहर और साइन फर्जी

चंडीगढ़। पंजाब से राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने वाले और खुद को जनता पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बताने वाले नवनीत चतुर्वेदी पर बड़ा फर्जीवाड़ा करने का आरोप लगा है। उन पर आरोप है कि उन्होंने पंजाब के कई विधायकों की जाली मुहरें और फर्जी हस्ताक्षर बनवाकर उन्हें अपना प्रस्तावक दिखाया। सोशल मीडिया पर इस फर्जीवाड़े के वायरल होने के बाद प्रभावित विधायकों ने शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद प्रदेश के कई थानों में नवनीत चतुर्वेदी के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं। अमृतसर के विधायक कुंवर विजय प्रताप सिंह समेत कई विधायकों ने पंजाब गौरव यादव और विधानसभा सचिव राम लोक खटना को पत्र लिखकर स्पष्ट किया कि उन्होंने नवनीत चतुर्वेदी को प्रस्तावक के रूप में अधिकृत नहीं किया। पत्र में कहा गया कि उनकी जाली मुहरें बनाकर और फर्जी हस्ताक्षर कर नामांकन दाखिल किया गया।

अभिषेक बनर्जी के फर्जी हस्ताक्षर कर 1 लाख से अधिक की वसूली

कोलकाता । घाटल नगरपालिका के पूर्व चेयरमैन और वर्तमान टीएमसी पार्षद बिभाष चंद्र घोष को स्थानीय पुलिस ने आज दोपहर गिरफ्तार कर लिया। उन पर अभिषेक बनर्जी के हस्ताक्षर वाले एक हाई-प्रोफाइल टीएमसी पत्र की जालसाजी करके एक खुलेआम जबरन वसूली का रैकेट चलाने का आरोप है, जिससे कथित तौर पर उन्हें स्थानीय लोगों से एक लाख रुपये से अधिक की वसूली की है।

पीएम मोदी का बिहार को नारा

एकजुट एनडीए-एकजुट बिहार,फिर बनेगी सुशासन की सरकार

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को बिहार में भाजपा कार्यकर्ताओं से केंद्र और नीतीश कुमार सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए हर घर तक पहुँचने का आह्वान किया और एकजुट एनडीए, एकजुट बिहार - फिर बनेगी सुशासन की सरकार का नारा दिया। मोदी ने कहा कि आजकल दीपावली, छठ पूजा और अन्य उत्सवों की तैयारियां जोरों पर है। बिहार में लोकतंत्र का महा-उत्सव की शुरूआत भी हो चुकी है। आप भी दिन-भर चुनाव से जुड़े कार्यक्रमों में व्यस्त रहते हैं। आप सभी के परिश्रम को भाजपा का हर कार्यकर्ता बहुत ही गौरव के साथ देखता है। आप सभी को मैं बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं। नरेंद्र मोदी ने कहा कि मेरा बूथ, सबसे मजबूत... ये सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं है, ये जमीनी स्तर पर भाजपा की सफलता की सबसे मजबूत कड़ी है। जैसे पुरानी कहावत है- बूंद-बूंद से घड़ा भरता है। वैसे ही जब हर बूथ सबसे मजबूत होता है, तभी पार्टी को सफलता मिलती है। इसलिए ये देखकर मुझे बहुत अच्छा लगा कि बिहार भाजपा का हर कार्यकर्ता 'मेरा बूथ, सबसे मजबूत' का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने हुंकार भरते हुए कहा कि आज बिहार के हर घर से एक ही आवाज सुनाई दे रही है...एकजुट एनडीए, एकजुट बिहार, इससे बनेगी सुशासन की सरकार। मोदी ने कहा कि इस बार बिहार में डबल दिवाली आने वाली है। एक तो नवरात्रि के पहले दिन जीएसटी के कारण लोगों ने दिवाली मनाई। अब 20 अक्टूबर को दिवाली है, वो हम मनाने

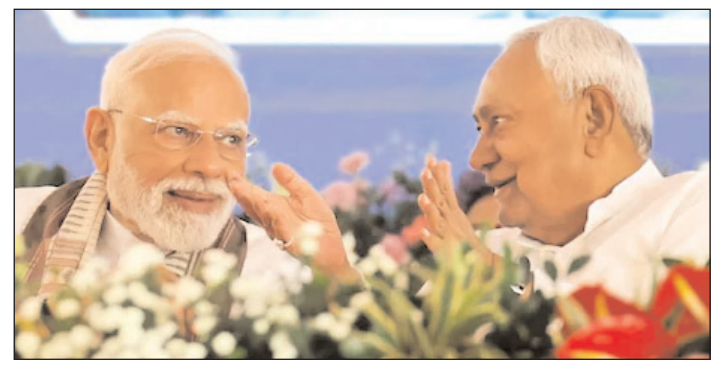

जा रहे हैं। लेकिन इस बार का बिहार का मिजाज, 14 नवंबर को एनडीए की विजय वाली दिवाली भी मनानी है। इसमें हर बार की तरह बिहार की बहन-बेटियों की बहुत बड़ी भूमिका रहेगी। उन्होंने कहा कि मुझे ये जानकर बहुत अच्छा लगा कि बिहार की एनडीए सरकार ने हाल में जो महिला रोजगार योजना शुरू की है, उससे बहनें बहुत खुश हैं। बिहार के एक करोड़ 20 लाख बहनों के खाते में हरेक बहन को 10 हजार रुपए भेजे जा चुके हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज बिहार में बेहतर माहौल बना है। इसका सबसे ज्यादा फायदा हमारे नौजवानों को हो रहा है। आज जो 18-25 साल के नौजवान हैं, इन्होंने वो दौर नहीं देखा है, जिसने बिहार को तबाह कर दिया। हमलोगों ने तो बिहार में वो दौर देखा है, जब यहां का बहुत बड़ा हिस्सा नक्सलवाद से प्रभावित था। हालत ये थी कि नक्सली आए दिन रेल की पटरियां उड़ा देते थे। मालगाड़ी से कोयले और सीमेंट की लूट हुआ करती थी। लोग शाम को 5-6 बजे के बाद घर से निकलने से डरते थे। गर्भवती महिलाओं को अस्पताल ले जाने की स्थिति तक नहीं होती थी। मोदी ने कहा कि 2004 से 2014... केंद्र में कांग्रेस और आरजेडी की सरकार थी। तब बिहार को 10 साल में सिर्फ 2 लाख करोड़ रुपए मिले थे। लेकिन जब आपने मुझे मौका दिया, तो हमने 2014 से 2024... इन 10 साल में 9 लाख करोड़ रुपए बिहार के लिए दिए

जब हर बूथ मजबूत होता है, तभी पार्टी जीतती है

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कार्यकर्ताओं का भोजपुरी में अभिवादन करने के बाद कहा, 'जब हर बूथ मजबूत होता है, तभी पार्टी जीतती है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि 'हर बूथ कार्यकर्ता अपने क्षेत्र में मोदी है।' उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकारी योजनाओं के बारे में मतदाताओं को उनकी ओर से गारंटी देने को कहा। उन्होंने कहा कि बिहार के बूथ कार्यकर्ताओं को अपने क्षेत्रों के परिवारों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के वीडियो भी दिखाने और साझा करने चाहिए। मोदी ने 'एकजुट एनडीए, एकजुट बिहार - इससे बनेगी सुशासन की सरकार' का नारा दिया।

बिहार के लिए बंट रहा 'सिम्बल' है क्या?

लिफाफे के साथ लालू को देख कांग्रेस परेशान

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में अपनी पार्टी का विलय कर कांग्रेस के चुनाव चिह्न पर पूर्णिया से उतरने की तैयारी कर रहे राजेश रंजन उर्फपप्पू यादव को ऐसी ही तस्वीर ने झटका दिया था। तब बीमा भारती को लालू प्रसाद ने इसी तरह का एक लिफाफा देकर पप्पू यादव का सपना तोड़ दिया था। कांग्रेस उसपर खीझ गई थी। लोकसभा चुनाव में सीट बांटे बगैर जैसे लालू प्रसाद लगातार ऐसा लिफाफा दे रहे थे, इस बार बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ऐसी तस्वीरें नहीं देखना चाहती थी। लेकिन, पिछले चार दिनों से ऐसी

तस्वीरें बार-बार आ रहीं। फ्लां को सिम्बल दिया, फ्लां को सिम्बल दिया। लालू की देखादेखी वामदलों ने भी यह लिफाफा देना शुरू कर दिया। और तो और, सीट बंटे बगैर ऐसे ही एक लिफाफे के साथ तेजस्वी यादव भी नामांकन कर आए।

लोक सभा अध्यक्ष, ओम बिरला और मंगोलिया के राष्ट्रपति,खुरेलसुख उखना के साथ नई दिल्ली में नए संसद भवन का दौरा करते हुए।

पूर्व सैनिकों को सरकार का दिवाली तोहफा

अलग-अलग मदों की सहायता राशि दोगुनी की गई-राजनाथ..

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने केंद्रीय सैनिक बोर्ड के माध्यम से लागू की जाने वाली योजनाओं के तहत पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के लिए वित्तीय सहायता में 100 फीसदी वृद्धि करने को मंजूरी दी है। इस फैसले के बाद आश्रितों को शिक्षा, विवाह और निर्धनता अनुदान के अंतर्गत मिलने वाली वित्तीय सहायता राशि दोगुनी हो गई है। संशोधित दरें आगामी एक नवम्बर से लागू होंगी। बुधवार को इस संबंध में जानकारी देते हुए रक्षा मंत्रालय ने बताया कि ये योजनाएं पूर्व सैनिक कल्याण विभाग द्वारा केन्द्रीय सैनिक बोर्ड के माध्यम से लागू की जाती हैं। वित्तीय सहायता

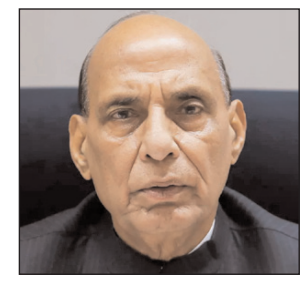

में की गई प्रमुख बढ़ोतरी इस के तहत निर्धनता अनुदान की राशि 4,000 रुपए प्रति माह से बढ़ाकर 8,000 रुपए प्रति माह प्रति लाभार्थी कर दिया गया है। यह सहायता 65 वर्ष से अधिक आयु वाले उन पूर्व सैनिकों के आश्रितों और विधवाओं को आजीवन दी जाएगी।

अलविदा कर्ण-टीवी इंडस्ट्री को गहरा झटका

महाभारत के दिग्गज अभिनेता पंकज धीर का कैंसर से निधन

नई दिल्ली/ एजेंसी

अभिनेता पंकज धीर, जिन्हें बीआर चोपड़ा की 'महाभारत' में कर्ण की प्रतिष्ठित भूमिका के लिए जाना जाता है, का 68 वर्ष की आयु में कैंसर से निधन हो गया। उनकी मृत्यु मनोरंजन जगत के लिए एक बड़ी क्षति है, जहां उन्होंने अपनी संवेदनशीलता से कर्ण के चरित्र को जीवंत कर एक अमिट छाप छोड़ी, जिससे उनकी छवि दर्शकों के मन में हमेशा के लिए एक वीर योद्धा के रूप में अंकित हो गई। बीआर चोपड़ा की 1988 की टीवी श्रृंखला महाभारत में कर्ण की प्रतिष्ठित भूमिका निभाने के लिए

जाने जाने वाले अभिनेता पंकज धीर का बुधवार को निधन हो गया। वह 68 वर्ष के थे। सूत्रों ने एनडीटीवी को बताया कि पंकज धीर कैंसर से जूझ रहे थे। धीर के मित्र और फिल्म निर्माता अशोक पंडित ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, आज सुबह कैंसर के कारण उनका निधन हो गया। पिछले कुछ महीनों में उन्हें कई बार अस्पताल जाना पड़ा।'' उनका अंतिम संस्कार आज शाम में किया जाएगा। उनके परिवार में पत्नी अनीता धीर और बेटा निकेतन धीर हैं, जो खुद भी अभिनेता हैं। इसके अलावा सिंटा के सदस्य अमित बहल, जो पंकज के करीबी दोस्त थे, ने इंडिया टुडे को इस खबर की पुष्टि की। सिनेमा संस्था ने एक बयान में लिखा, बेहद दुःख और गहरे दुख के साथ, हम आपको सूचित करते हैं कि हमारे ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष और सिंटा के पूर्व माननीय महासचिव, श्री पंकज धीर जी का 15 अक्टूबर 2025 को निधन हो गया।

सांसद अशोक मित्तल ने वित्तमंत्री सीतारमण से की मुलाकात

जालंधर। पंजाब से राज्यसभा सांसद और लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी एलपीयू के चांसलर अशोक मित्तल ने नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। यह बैठक वित्त मंत्रालय में हुई, जहां दोनों के बीच शिक्षा, उद्यमिता और आर्थिक सुधारों को लेकर सार्थक चर्चा हुई। मुलाकात के बाद अशोक मित्तल ने कहा कि राष्ट्रहित के मुद्दों पर वित्त मंत्री से चर्चा करना गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, उद्यमिता और आर्थिक सुधार देश की प्रगति के तीन मजबूत स्तंभ हैं और इनका संतुलित विकास भारत को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। अशोक मित्तल लंबे समय से शिक्षा क्षेत्र से जुड़े हुए हैं।

अब वो सरकार नहीं...जो दंगाइयों के सामने घुटने टेक दे

रंग में भंग डाला तो सलाखों के पीछे होंगे-सीएम योगी....

लखनऊ/ एजेंसी

सीएम योगी ने बुधवार को कहा, त्योहारों का उद्देश्य यही है कि हम अकेले नहीं, बल्कि सामूहिक रूप से इस उत्साह का हिस्सा बनें। 2021 में राज्य सरकार ने तय किया था कि वर्ष में दो बार होली और दीपावली के अवसर पर उज्ज्वला योजना के सभी लाभार्थियों को मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर दिए जाएंगे। इसी क्रम में आज प्रदेश के 1.86 करोड़ परिवारों को यह सौगात दी जा रही है। पिछले आठ वर्षों में प्रदेश में सभी त्योहार, होली, दीपावली, ईद, क्रिसमस, गुरु पर्व, जन्माष्टमी या रामनवमी पूरी शांति, सौहार्द

और उमंग के साथ मनाए गए हैं। अब वह सरकार नहीं है जो दंगाइयों के सामने घुटने टेक दे। यह सरकार जो जिस भाषा में समझेगा, उसी भाषा में जवाब देना जानती है। उत्साह और उमंग के त्योहार में यदि किसी ने व्यवधान डाला तो जेल की सलाखें उसका इंतजार कर रही हैं। सीएम योगी ने कहा, किसी भी लोक कल्याणकारी सरकार का दायित्व होता है कि वह शासन की योजनाओं का लाभ ईमानदारी से उन गरीबों, वंचितों और दलितों तक पहुंचाए, जो इसके पात्र हैं। आजादी के बाद पहली बार गरीबों को बिना भेदभाव के योजनाओं का लाभ तब मिलना शुरू हुआ। जब देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बने। 2014 के पहले गैस कनेक्शन लेना भी एक संघर्ष था, लेकिन मोदी जी ने 11 करोड़ गरीब परिवारों को मुफ्त गैस कनेक्शन दिलाए। अकेले उत्तर प्रदेश के 1.86 करोड़ परिवारों को इसका लाभ मिला है।

गढ़चिरौली में 60 नक्सलियों के साथ सरेंडर....

सीएम फडणवीस के सामने नक्सली कमांडर सोनू ने डाले हथियार

गढ़चिरौली/ एजेंसी

देश में नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है। इस बीच महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में पहली बार सबसे बड़ा नक्सली आत्मसमर्पण हुआ है। वरिष्ठ नक्सली नेता मल्लोजुला वेणुगोपाल उर्फ भूपति ने अपने 60 अन्य नक्सली साथियों के साथ महाराष्ट्र मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सामने हथियार डाले हैं। बुधवार (15 अक्तूबर) गढ़चिरौली शहीद पांडु आलम हॉल, पुलिस मुख्यालय में आत्मसमर्पण समारोह आयोजित किया। जिसमें मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सभी नक्सलियों का मुख्यधारा में लौटने के लिए स्वागत किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक नक्सली कमांडर मल्लोजुला वेणुगोपाल राव उर्फ भूपति ने शर्त रखी कि वह मुख्यमंत्री की मौजूदगी में आत्मसमर्पण करेंगे। जिसके बाद गढ़चिरौली पुलिस मुख्यालय में सीएम फडणवीस की मौजूदगी में नक्सली लीडर और भाकपा-माओवादी के पोलित ब्यूरो सदस्य मल्लौजुला वेणुगोपाल राव ने हथियार डाले। एक अधिकारी ने बताया कि भूपति पर 6 करोड़ रुपए का इनाम था। जानकारी के मुताबिक नक्सलियों ने अपने 54 हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया, जिनमें सात एके-47 और नौ इंसास राइफ्लें शामिल हैं। कार्यक्रम के बाद मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा, आज नक्सल कमांडर मल्लोजुला वेणुगोपाल राव उर्फ भूपति ने 60 नक्सलियों के साथ आत्मसमर्पण कर दिया है। भूपति नक्सलियों की भर्ती, रणनीति और हमले का काम करते थे। पिछले एक महीने से हमारी पुलिस उससे

मुख्यधारा में लौटने के लिए बात कर रही थी। उसे यह भी बताया गया था कि हमारे नक्सल विरोधी अभियान नहीं रुकेंगे और उसे आत्मसमर्पण करने का विकल्प दिया गया था। आज महाराष्ट्र में नक्सलवाद की कमर टूट गई है। इसके बाद छत्तीसगढ़ के नक्सली आत्मसमर्पण करने की कोशिश करेंगे। इस उपलब्धि पर हमने गढ़चिरौली पुलिस को 1 करोड़ रुपये का इनाम देने की घोषणा की है। उन्होंने आगे कहा कि हम सभी, चाहे वह महाराष्ट्र हो, छत्तीसगढ़ हो या तेलंगाना नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में एकजुट हैं। हम एक-दूसरे के साथ समन्वय में काम करते हैं। नक्सली टॉप कमांडर मल्लोजुला वेणुगोपाल उर्फ भूपति पर करोड़ों का ईनाम घोषित था। जिनको माओवादी संगठन के सबसे प्रभावशाली रणनीतिकारों में से एक माना जाता था। और वह लंबे समय से महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा पर प्लाटून अभियानों की निगरानी करते थे। उनके सरेंडर के बाद अबूझमाड़ में नक्सलियों की कमर टूट गई है। बता दें कि सोमवार देर रात (13 अक्तूबर) भाकपा-माओवादी के पोलित ब्यूरो सदस्य मल्लौजुला वेणुगोपाल राव उर्फ सोनू ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया था। जो कि यह भाकपा-माओवादी के लिए एक बड़ा झटका था। आत्मसमर्पण करने वालों में भाकपा (माओवादी) की केंद्रीय समिति का एक सदस्य और एक संभागीय समिति के 10 सदस्य शामिल थे।

दूसरी ओर सुकमा में 50 लाख के इनामी समेत 27 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा जिले में बुधवार को कुल 27 सक्रिय माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया, जिनमें 50 लाख रुपये के इनामी नक्सली भी शामिल हैं। आत्मसमर्पण करने वालों में पीएलजीए बटालियन नंबर-एक के दो हार्डकोर सदस्य, एक सीपीआई (माओवादी) डिवीजन स्तर का कैडर, एक पार्टी कार्यकर्ता और 11 संगठनात्मक सदस्य शामिल हैं। सभी ने सुकमा जिला मुख्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों के सामने हथियार डालकर समाज की मुख्यधारा में लौटने की इच्छा जताई आत्मसमर्पण करने वालों में 10 महिलाएं और 17 पुरुष माओवादी शामिल हैं। प्रशासन के अनुसार, आत्मसमर्पित नक्सलियों पर अलग-अलग स्तर पर इनाम घोषित था। एक पर 10 लाख, तीन पर आठ-आठ लाख रुपये, एक पर तीन लाख रुपये, दो पर दो-दो लाख रुपये और नौ पर एक-एक लाख रुपये।

आत्मनिर्भर भारत के लिए स्वदेशी को अपनाना आवश्यक है : शर्मा

बेमेतरा। पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की जन्मदिन से आत्मनिर्भर भारत का संकल्प का अभियान प्रारंभ किया गया है, जिसमें देशी सामानों का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, ताकि विदेशों सामानों की निर्भरता कम हो सके। इसके लिए घर-घर अभियान चलाने एवं कार्यकर्ता सम्मेलन भी रखा जाएगा। यह जानकारी भाजपा के मुख्य वक्ता एवं पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा ने दिया। भाजपा जिला कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा करते हुए शिवरतन शर्मा ने बताया कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने पहले भाषण में मेक इन इंडिया पर जोर दिया था और रक्षा के मामले पर उन्होंने सबसे पहले ध्यान दिया था और रक्षा के क्षेत्र में उन्होंने उल्लेखनीय कार्य किए हैं। उन्होंने बताया कि भारत कोविड काल महामारी का भी संकट भी झेला है और भारत ने इस महामारी का सामना करते हुए एक दो नहीं तीन-तीन वैक्सीन बनाए और विदेश में 165 देश में उसे उपलब्ध कराया गया। इससे साबित होता है कि हम आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं क्योंकि हमारी विदेशी नीति अच्छी है। अर्थव्यवस्था के मामले में विश्व में हमारी स्थिति चौंथा स्थान पर है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ निर्माण के बाद पहले बजट जो विधानसभा में रखा गया तो 6.50 करोड रुपए था, बढ़कर 137000 करोड रुपए का बजट हो गया है। उन्होंने छत्तीसगढ़ का सामग्री का उल्लेख करते हुए बताया कि जशपुर की चाय चांपा का कोसा विश्व प्रसिद्ध है। कांकेर का सीताफल का अलग स्वाद है, जिसका उत्पादन के 70% निर्यात होता है। स्वदेशी के साथ कृषि उत्पादन में भी आत्मनिर्भर होना जरूरी है, जिस पर कार्य चल रही है। डीजल पेट्रोल से विदेशी मुद्रा का खर्च हो रही है, रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दैनिक उपयोग में स्वदेशी अपनाएं ताकि विदेशी सामानों की उपयोगिता कम कर सके, इसके लिए अभियान भी चला जाएगा और कार्यकर्ता सम्मेलन भी इसकी संबंध में रखा जाएगा। उन्होंने प्रश्न उत्तर में बताया कि घर-घर जाकर स्वदेशी सामानों का और विदेशी सामानों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। इस अवसर पर भाजपा मंत्री हर्षिता पांडे जिला भाजपा अध्यक्ष अजय साहू पूर्व विधायक अवधेश पटेल पूर्व जिला भाजपा अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा हर्ष तिवारी एवं प्रणीश रजक उपस्थित थे।

पंजीकृत मजदूरों को शिक्षा, स्वास्थ्य, औजार सहायता सहित अनेक योजनाओं का लाभ

श्रमिकों के कल्याण हेतु छत्तीसगढ सरकार प्रतिबद्ध

महासमुंद। छत्तीसगढ़ शासन श्रम विभाग द्वारा पंजीकृत निर्माण एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकारों के कल्याण हेतु चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जिले के श्रमिकों तक निरंतर पहुँचाया जा रहा है। पंजीकृत मजदूरों को शिक्षा, स्वास्थ्य, औजार सहायता, मातृत्व लाभ, मृत्यु सहायता एवं आवास जैसी अनेक योजनाओं का लाभ प्रदान किया जाता है। इन योजनाओं ने हजारों निर्माण मजदूरों के जीवन में नया उजाला फैलाया है। शासन की मंशानुरूप प्रत्येक पंजीकृत श्रमिक परिवार को सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से श्रम विभाग द्वारा निरंतर शिविर, पंजीयन एवं जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से योजनाओं का अधिकतम लाभ पात्रों तक पहुँचाया जा रहा है। कलेक्टर महासमुंद के मार्गदर्शन में श्रम कल्याण मंडल महासमुंद द्वारा डीबीटी के माध्यम से श्रमिकों के खातों में सीधे सहायता राशि प्रदान की गई है, ताकि पारदर्शिता बनी रहे और लाभ समय पर मिले। श्रम पदाधिकारी ने बताया कि विगत 17 सितम्बर एवं 3 अक्टूबर को डीबीटी के माध्यम से 14 हजार 788 श्रमिकों के खाते में 4 करोड़ 68 लाख 690 रुपए की राशि छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा अंतरित की गई। महासमुंद जिले में श्रम विभाग अंतर्गत मुख्यमंत्री निर्माण मज़दूर सुरक्षा उपकरण सहायता योजना अंतर्गत 3 हजार 443 श्रमिकों को 51 लाख 64 हजार 500 रुपए की सहायता दी गई है। इसी तरह निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु निःशुल्क गणवेश एवं पुस्तक कॉपी हेतु सहायता राशि योजना अंतर्गत 3005 श्रमिकों को 40 लाख 72 हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान की गई। मुख्यमंत्री सायकल सहायता योजना अंतर्गत 2 हजार 724 श्रमिको को एक करोड़ 89 हजार 6 रुपए, मुख्यमंत्री श्रमिक औजार सहायता योजना अंतर्गत 2 हजार 629 श्रमिकों को 91 लाख 41 हजार 584 रुपए की सहायता राशि प्रदान की गई।

इलेक्ट्रॉनिक चॉक की करंट से कुम्हार की मौत शासन से जीविकोपार्जन के लिए मिला था चॉक

डोंगरगांव नगर के निकट ग्राम कोहका की घटना

डोंगरगांव नगर। नगर के समीपस्थ ग्राम कोहका में एक गंभीर हादसा हो गया। इलेक्ट्रिक चाक से मिटटी के घड़े बनाते समय अचानक करंट लग जाने से 50 वर्षीय कुम्हार गंगाराम कुम्भकार की मौत हो गई। उक्त चाक उन्हें शासन की ओर से जीविकोपार्जन के लिए माटी कला बोर्ड द्वारा प्रदान किये जाने की बात कही जा रही है। सूत्रों के मुताबिक गंगाराम कुम्भकार अपने घर के आंगन में इलेक्ट्रिक चाक पर रोजाना की तरह मिटटी को आकार दे रहे थे। इस दौरान इलेक्ट्रॉनिक चॉक के करंट की चपेट में आ गया। करंट से हताहत होने पर कुम्हार को तत्काल ही डोंगरगांव स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। गंगाराम की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिये जाने की खबर है। शव को पोस्टमार्टम के बाद देर शाम परिजनों को सौंप दिया गया। गंगाराम अपने पीछे पत्नी, दो लड़के व दो लड़कियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए है।

कस्तूरबा विद्यालय की 5 शिक्षिकाओं को मिला छत्तीसगढ़ गौरव सम्मान

जिले की शिक्षिका शिखा चौबे, सुनीता राजपूत, वर्षा जैन और गायत्री जोगी को भी उनके उत्कृष्ट कार्यो के लिए मिला सम्मान

बेमेतरा। कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय बेमेतरा की कर्तव्यनिष्ठ, सक्रिय व नवाचारी शिक्षिकाओं भारती धृतलहरे, ममता गुरूपंच, राजकिरण मिश्रा, गायत्री साहू, विजयलक्ष्मी परगनिया सहित जिले की शिक्षिका शिखा चौबे शासकीय प्राथमिक शाला डूंडा, राज्यपाल से पुरस्कृत शिक्षिका सुनीता राजपूत शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कंतेली, शासकीय प्राथमिक शाला केंवतरा की नवाचारी शिक्षिका और लेखिका वर्षा जैन, तथा जिले के सर्वश्रेष्ठ प्रधान पाठक का पुरस्कार प्राप्त शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला राखी के प्रधान पाठक गायत्री जोगी को स्व. कामरेड नरेंद्र सिंह की स्मृति में शिक्षक कला प्रतिभा अकादमी छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पंजीकृत संस्था के द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में छत्तीसगढ़ गौरव सम्मान 2025 से सम्मानित किया गया। इन सभी शिक्षकाओं को विद्यालय में उनके उत्कृष्ट कार्यों के फलस्वरुप यह पुरस्कार प्राप्त हुआ है। सभी शिक्षिकाएं अद्वितीय प्रतिभा की धनी है। इस सम्मान समारोह में निधि चंद्राकर प्रांताध्यक्ष उड़ान छत्तीसगढ़ एवं राष्ट्रीय सचिव महिला जागृति मंच नई दिल्ली उपस्थिति रही। यह सम्मान यहां के नवाचारी शिक्षिकाओं के शिक्षा एवं साहित्य कला तथा खेल में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया। विमतारा इंद्रावती कॉलोनी शांति नगर रायपुर में स्वर्गीय कामरेड नरेंद्र सिंह की स्मृति में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था। कस्तूरबा परिवार के लिए अत्यंत हर्ष का विषय है कि एक साथ एक मंच पर समस्त शिक्षिकाओं को छत्तीसगढ़ गौरव सम्मान प्राप्त हुआ। यहां की शिक्षिकाओं के मार्गदर्शन में शाला की बालिकाओं ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सफलता दर्ज की है। यहां की दो बालिकाओं का खेल एवं शिक्षा मंत्रालय से सफलता की डॉक्यूमेंट्री फिल्म बन चुकी है। दोनों बालिका ने राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल प्राप्त कर चुके हैं। समस्त शिक्षिकाएं नवाचारी गतिविधियों से अध्यापन कराती हैं अध्यापन के साथ ही अन्य गतिविधियों जैसे स्वच्छता इको क्लब, योग, खेल, विज्ञान मॉडल, नृत्य साहित्य लेखन आदि में भी अपनी सक्रिय भूमिका निभा रही है जिससे यहां की बालिकाओं का सर्वांगीण विकास हो रहा है। सभी शिक्षिकाओं के स्कूल स्टॉफ और संस्था प्रमुखों ने अपने शिक्षिकाओं की इस सम्मान और उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है।

डीएवी जांता के बालिकाओं का राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता में रहा दबदबा

डीएवी जांता अंडर 17 बालिकाओं ने राज्यस्तरीय कबड्डी में गोल्ड मेडल के साथ राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित

बेमेतरा। डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स के संभाग स्तरीय तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिताओं का शानदार समापन हुआ। डीएव्ही मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल नकटी सेमरा जगदलपुर के तत्वाधान में संपन्न हुआ। छत्तीसगढ़ के लगभग सभी जिलों से 96 स्कूलों के लगभग 1000 छात्र-छात्राओं ने विभिन्न 30 खेलों में हिस्सा लिया। तीन दिवसीय खेल का उदघाटन समारोह के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप रहे। खेल समापन समारोह के मुख्य अतिथि बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आई जी) पी सुंदरराज रहे। विशिष्ट अतिथि डीएवी संस्थान छत्तीसगढ़ के प्रमुख रीजनल ऑफिसर, क्षेत्रीय अधिकारी (प्रक्षेत्र अ) डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स छत्तीसगढ़ जोनल कोऑर्डिनेटर प्रशांत कुमार उपस्थित रहे। डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जांता के प्राचार्य पी एल जायसवाल ने प्रेस वार्ता में बच्चों को बधाई व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बताया कि तीन दिवसीय खेलों में डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जांता के बच्चों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया जिसमें अंडर 17 कबड्डी बालिका फाइनल में क्लस्टर 2 डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल उल्नार को हराकर प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए स्वर्ण पदक से सम्मानित हुए और नेशनल दिल्ली ले चयनित हुए अपने माता-पिता, स्कूल व बेमेतरा जिले का नाम रोशन किया। छत्तीसगढ़ डीएवी प्रमुख रिजनल ऑफिसर प्रशान्त कुमार ने विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित होकर सभी जिलों के बच्चों को उत्साहित किए साथ ही सभी बच्चों को अपने उदबोधन के माध्यम से बताया कि खेल को खेल भावना से खेलना चाहिए खेल से हमारा मानसिक, शारीरिक व बौद्धिक गुणों का विकास होता है तथा विभिन्न प्रकार के खेल में हार और जीत तो लगी रहती है, डीएव्ही मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूलों को प्रमुख रूप से सर्वांगीण विकास के साथ आगे बढ़ाना मेरा एक सपना है व इन स्कूलों के सर्वांगीण विकास के लिए यह विभिन्न प्रकार के खेलों में जुड़ाव देखने को मिल रहा है। वास्तव में डीएवी स्कूलों व डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूलों के बच्चों ने बढ़-चढ़कर यह खेल प्रतियोगिता में भाग लेकर यह साबित कर दिया है कि मुख्यमंत्री स्कूलों के विद्यार्थियों ने यह साबित कर दिया है कि हम किसी से कम नहीं है। राज्य स्तरीय तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता के क्लस्टर एक के क्लस्टर इंचार्ज प्रमुख डॉ बी पी साहू ने सभी छात्र छात्राओं को बधाई व शुभकामनाएं दिए स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों में कक्षा बारहवीं से प्रीति, कक्षा ग्यारहवीं से दामिनी, जानकी, दिलेश्वरी, दसवीं से अंजू, रागिनी, राधा, निशा, नवमी से उर्मिला व सातवीं से सुनीता ने अपने जीत का श्रेय अपने माता-पिता, प्राचार्य, शिक्षक सहित स्कूल खेल शिक्षक अखिलेश पटेल को दिया।

साहित्य साधना हेतु नवाचारी शिक्षिका व लेखिका वर्षा जैन का सम्मान

समता साहित्य भूषण अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया

बेमेतरा। शासकीय प्राथमिक शाला केंवतरा विकासखंड साजा की नवाचारी शिक्षिका व साहित्यकार वर्षा जैन को साहित्य के क्षेत्र में निरंतर साधना और संत गाडगे के जीवन चरित्र पर आधारित किताब में लेखन हेतु समता साहित्य अकादमी द्वारा समता साहित्य भूषण अवार्ड 2025 ससम्मान प्रदत्त सम्मानित किया गया। लेखिका व नवाचारी शिक्षिका वर्षा जैन ने पूर्व में बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में लेखन किया है, साथ ही काव्यपाठ और कई पुस्तकों जैसे आजादी के परवाने, सशक्त नारी, संत गाडगे, एफएलएन बुक बच्चों के लिए कविता लेखन का कार्य किया है। शिक्षा विभाग द्वारा संपादित 'किलोल' में भी इनकी रचनाएं निरंतर आती रहती है। राष्ट्रीय स्तर पर कविता और कहानी हेतु 'लम्हें' द्वारा विशिष्ट सम्मान से सम्मानित लेखिका वर्षा जैन 'कलमकार की खोज' का हिस्सा भी रह चुकी है। रूम टू रीड के अंतर्गत उन्होंने बच्चों के लिए कविता लिखी, जिसका सात भाषाओं में अनुवाद किया गया, इस प्रकार वह निरंतर साहित्य साधना करती है और कई मंचो तथा पुरुस्कार से सम्मानित हो चुकी हैं। बालक दास पर आधारित काव्य संकलन पर अभी लेख चालू है जो की दिसंबर में प्रकाशित होगी।

श्री नृत्य धाम कला समिति इंटरनेशनल कल्चरल हारमोनी द्वारा किया गया विभिन्न प्रतियोगिताएं

दल्लीराजहरा। श्री नृत्य धाम कला समिति इंटरनेशनल कल्चरल हारमोनी द्वारा आयोजित फेस्टिवल और कामप्टीशन आफ डांस म्यूजिक, इंस्ट्रुमेंट ड्राइंग एंड पेंटिंग, का इवेंट रखा गया था। यह प्रतियोगिता नारायण गुरु स्कूल भिलाई के आडिटोरिम में आयोजित 'देश राग' प्रतियोगिता के अंतर्गत डांस प्रतियोगिता में दल्लीराजहरा की श्रेयांशी बेरा, भरतनाट्यम में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है छत्तीसगढ़ स्तरीय आयोजित यह प्रतियोगिता 4 से 12 अक्टूबर तक भिलाई में चली। जिसमें भिलाई दुर्ग सहित बिलासपुर भाटापारा दल्ली राजहरा खैरागढ़ एवं कई स्थानों से प्रतियोगी आए थे। आयोजित प्रतियोगिता में फेस्टिवल एंड काम्प्टीशन आफ डांस, म्यूजिक इंस्ट्रुमेंट ड्राइंग एंड पेंटिंग का इवेंट रखा गया था।

डांस प्रतियोगिता में भारत नाट्यम डांस में दल्ली राजहरा की श्रेयांशी बेरा (जूनियर कैटिगरी) ने बेहतर प्रदर्शन कर द्वितीय स्थान अर्जित किया। श्रेयांशी बेरा को इस प्रदर्शन पर प्रमाण पत्र एवं मोमेंटो देकर आयोजकों ने सम्मानित किया श्रेयांशी दल्ली राजहरा के स्वपन बेरा एवं असीमा बेरा की सुपुत्री है जो राजहरा के डीएवी स्कूल की छात्रा है।

किसान कांग्रेस का पंडरिया में उग्र प्रदर्शन : हजारों किसानों ने किया एसडीएम कार्यालय का घेराव

गन्ना भुगतान को लेकर पुलिस से झूमाझटकी

कवर्धा/पंडरिया। छत्तीसगढ़ किसान कांग्रेस के नेतृत्व में सोमवार को हजारों किसानों ने पंडरिया अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय का घेराव कर गन्ने के भुगतान सहित 9 सूत्रीय मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस व किसानों के बीच जमकर झूमाझटकी भी हुई। किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा ने चेतावनी दी कि यदि 10 दिनों के भीतर गन्ने का पूर्ण भुगतान नहीं हुआ, तो रायपुर में मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गन्ना किसानों की हालत देखकर मन में पीड़ा होती है। भाजपा सरकार किसानों की मेहनत का मूल्य तक नहीं दे पा रही, जबकि गुड़ फैक्टरी संचालक तुरंत नगद भुगतान कर देते हैं। किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष रवि चंद्रवंशी ने कहा कि ÷किसान 10 महीनों से अपने ही फसल का मूल्य पाने के लिए भटक रहे हैं। बिजली बिलों में भारी वृद्धि, राजस्व कार्यालयों की लापरवाही और गन्ना भुगतान में देरी, यह सब भाजपा सरकार की नाकामी का परिणाम है। उन्होंने आगे कहा, सरकार किसानों के सब्र का इम्तिहान न ले, जिस दिन किसान सड़कों पर उतर आएंगे, उस दिन सत्ता की कुर्सियां हिल जाएंगी। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने मुख्यमंत्री के नाम 9 सूत्रीय ज्ञापन एस डी एम को सौंपा। ज्ञापन में गन्ने के तत्काल भुगतान, राजस्व कार्यालयों में पारदर्शिता, बिजली बिलों में सुधार, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और सहकारी संस्थाओं में जवाबदेही सुनिश्चित करने जैसी प्रमुख मांगें शामिल थीं। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा, संगठन महामंत्री अकील हुसैन, जिला कांग्रेस अध्यक्ष होरी साहू, किसान नेता रवि चंद्रवंशी, दीपक पांडे, झम्मन बघेल, जोगेंद्र पांडे, नीलकंठ चंद्रवंशी सहित बड़ी संख्या में किसान और कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। पंडरिया एसडीएम कार्यालय के बाहर घंटों तक चले इस आंदोलन ने प्रशासन को भी अलर्ट कर दिया। पुलिस बल तैनात रहा, वहीं किसान कांग्रेस ने यह साफ कर दिया कि जब तक किसानों को उनका हक नहीं मिलेगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

सीएचसी में हुआ सफल सिजेरियन ऑपरेशन,जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ

रायपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहला ने एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। ग्राम गिधाली की गर्भवती महिला कुलेश्वरी पति अर्जुन का सिजेरियन ऑपरेशन (सी-सेक्शन) स्वास्थ्य केंद्र की चिकित्सक टीम द्वारा सफ्लतापूर्वक किया गया। इस महत्वपूर्ण शल्यक्रिया को स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. अरविंद बनकर, डॉ. दिलीप शर्मा, डॉ. सीमा ठाकुर एवं डॉ. एस.आर. कोवाची की संयुक्त टीम ने अंजाम दिया। पूरा ऑपरेशन पूरी तरह सुरक्षित रहा और जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। स्त्रीरोग विशेषज्ञ की नियुक्ति से अब उच्च जोखिम वाली गर्भवती माताओं को प्रसव हेतु राजनांदगांव या निजी अस्पतालों की ओर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इससे अब सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहला में ही सिजेरियन ऑपरेशन एवं संपूर्ण जांच की सुविधा उपलब्ध हो गई है। इससे मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को बड़ी मजबूती मिलेगी। यह सुविधा विशेष रूप से उन ग्रामीण महिलाओं के लिए लाभकारी साबित होगी। जिन्हें पहले औंधी से राजनांदगांव तक लगभग 150 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती थी। इस उपलब्धि से क्षेत्र की ग्रामीण महिलाओं को समय पर सुरक्षित प्रसव और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित होंगी परिणामस्वरूप मातृ मृत्यु दर में भी कमी आएगी।

पत्रकारिता विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत अहम फैसले

रायपुर। रायपुर स्थित कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय ने अपनी 63वीं कार्यपरिषद की बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। इनमें सबसे प्रमुख फैसला 'चुनौती मूल्यांकन' व्यवस्था को लागू करना है। विश्वविद्यालय ने छात्रों के हित में बड़ा कदम उठाते हुए चुनौती मूल्यांकन का शुल्क केवल 1000 निर्धारित किया है। यह व्यवस्था छात्रों को पुनर्मूल्यांकन या पुनर्गणना के परिणामों से असंतुष्ट होने पर अपने उत्तर-पुस्तिकाओं की दोबारा जांच कराने का पारदर्शी अवसर प्रदान करती है। गौरतलब है कि रायपुर विश्वविद्यालय (पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय) में यही शुल्क 2500 तय किया गया था, जिससे छात्रों को बड़ी वित्तीय राहत मिलेगी। इसके अलावा, पुनर्गणना के लिए शुल्क 50 तय किया गया है। कार्यपरिषद में एनईपी 2020 के अनुरूप पाठ्यक्रमों को और अधिक उन्नत तथा समृद्ध बनाने पर जोर दिया गया है, ताकि छत्तीसगढ़ के प्रतिभावान छात्रों को इसका अधिकतम लाभ मिल सके। प्रशासनिक दक्षता को बढ़ाने और छात्र सुविधाओं को त्वरित बनाने के लिए डिजिटल तकनीक अपनाने पर भी सहमति बनी। विश्वविद्यालय की प्रशासनिक प्रक्रियाओं को तेज करने और डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने के लिए लैपटॉप और कंप्यूटर सिस्टम खरीदने की स्वीकृति प्रदान की गई है। बैठक में विश्वविद्यालय के षष्ठम दीक्षांत समारोह को जनवरी 2026 में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। यह समारोह सफ्ल छात्रों को उनकी डिग्रियां प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय में कार्यरत गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए समयमान वेतनमान को भी कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान की गई है, जो कर्मचारियों के हितों को सुनिश्चित करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। ये सभी निर्णय विश्वविद्यालय को आधुनिक, छात्र-केंद्रित और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों के अनुरूप बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं।

अवैध शराब परिवहन करते एक गिरफ्तार

रायपुर। जिले की चौकी चिखली पुलिस ने अवैध शराब का परिवहन करने वाला एक आरोपी को गिरफ्तार किया है तथा उसके पास से अंग्रेजी शराब जब्त कर आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की है। साथ ही थानाक्षेत्र में अशांति फैलाने वाले बदमाश पर धारा 170 बीएनएसएस के तहत कार्यवाही की गई है। पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन (भापुसे) के पर्यवेक्षण में जिले मे अवैध गांजा, शराब बिक्री व असामाजिक तत्व, गुण्डा बदमाश, और सार्वजनिक स्थानो पर शराब पीने वालो के विरूद्ध अभियान चलाया जा रहा है अभियान कार्यवाही मे दिनांक 12.10.2025 की रात्रि मे शराब बिक्री हेतु मो.सा. सीजी 08- बीडी- 7022 मे परिवहन कर ले जाने के संबंध मे पुख्ता सूचना के आधार पर एक्टिवा स्कुटी क्रमांक सीजी 08 बीडी 7022 को चिखली ओव्हर ब्रिज के पास रूकवाकर तालाशी लेने पर आरोपी शुभम मण्डावी पिता बलेश्वर मण्डावी उम्र 19 साल साकिन स्टेशनपारा शंभु मामा के घर के पास गौरा चौक ओपी चिखली जिला राजनांदगांव के कब्जे से स्कुटी के डिक्की मे 30 पौवा गोल्डन गोवा सुपीरियर अंग्रेजी शराब बरामद होने पर उक्त वाहन एक्टिवा स्कुटी एवं शराब को जप्त कर आरोपी के विरूद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत् विधिवत कार्यवाही कर न्यायालय पेश किया गया। माननीय न्यायालय के आदेशानुसार जेल दाखिल किया गया। इसी प्रकार क्षेत्र मे शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु चलाये जा रहे सतत अभियान के तारतम्य मे चौकी चिखली मे प्राप्त शिकायत आवेदन पत्रों एवं वाद विवाद की सूचना के आधार पर आज दिनांक 13 अक्टूबर 2025 को आवेदक व गवाहो के साथ लड़ाई-झगड़ा कर शांति भंग करने एवं संज्ञेय अपराध घटित होने की पूर्ण संभावना पर बदमाश धनराज मरकाम उर्फ गोलू कंडरा पिता कमल मरकाम उम्र 31 साल साकिन वार्ड नं. 05 शासकीय प्रेस के सामने ओपी चिखली जिला राजनांदगांव छ.ग. को गिरफ्तार कर पृथक से धारा 170, 126, 135(3) बीएनएसएस के तहत कार्यवाही कर न्यायालय राजनांदगांव पेश किया गया ।

मुंगेली पुलिस ने 9 मामलों में 41 जुआरियों को किया गिरफ्तार

रायपुर। मुंगेली पुलिस द्वारा जुआरियों पर लगातार ताबड़तोड कार्यवाही करते हुए 9 अलग-अलग मामलों में कुल 41 जुआरियों को जुआ खेलते हुए गिरफ्तार किया है तथा उनके पास से नगदी 23310 रूपये एवं ताशपत्ती जब्त किया है। मामले में आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है। बता दें कि मुंगेली पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल (भा.पु.से.) द्वारा आसमाजिक तत्वों एवं अवैध रूप से जुआ खेलने वालो के विरूद्ध ऑपरेशन बाज अभियान चलायी जाकर कार्यवाही करने निर्देश दिया गया एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुश्री नवनीत कौर छाबड़ा एवं अनुविभागीय अधिकारी मयंक तिवारी, उप पुलिस अधीक्षक नवनीत पाटिल, उप पुलिस अधीक्षक एस.आर.घृतलहरे के मागदर्शन मे ऑपरेशन बाज के तहत थाना सिटी कोतवाली, लालपुर, जरहागांव एवं सायबर सेल के द्वारा संयुक्त रूप से टीम गठित कर थाना सिटी कोतवाली मुंगेली, थाना लालपुर, थाना जरहागांव क्षेत्रान्तर्गत 52 पत्ती ताश से रूपये पैसे का दांव लगाकर जुआ खेलते घेराबंदी कर कुल 09 प्रकरण मे 41 जुआड़ियान से नगदी रकम 23310 रूपये बरामद कर जुआड़ियानों के विरूद्ध जुआ एक्ट की कार्यवाही किया गया। थाना सिटी कोतवाली मुंगेली क्षेत्रान्तर्गत ग्राम भटगांव मे जुआड़ियान 1.शंकर साहू पिता परसुराम उम्र 40 वर्ष निवासी चमारी।

जिले को 6 इंडिकेटर में राज्य स्तर पर सिल्वर मैडल

एनीमिया प्रभावित महिलाओं के लिए कार्ययोजना बनाकर लागू किया जाएगा

- संपूर्णता अभियान, रक्त परीक्षण और पर्यटन विकास में उत्कृष्ट कार्य के लिए जीपीएम जिले का बढ़ा मान

रायुपर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के कुल 33 जिलों में जीपीएम 28 वें नंबर का नया जिला है। इसकी स्थापना 10 फरवरी 2020 को किया गया। इसके बाद 5 और नए जिलों मोहला-मानपुर-अंबागढ़चौकी, सारंगढ़-बिलाईगढ़, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर और शक्ति जिले की स्थापना सितम्बर 2022 में किया गया है। आगामी 10 फरवरी 2026 को जीपीएम जिला गठन का 6 वीं वर्षगांठ मनाया जाना है। इस लिहाज से जीपीएम जिला अभी 6 साल का नन्हा बच्चा ही है। इस अवधि में जिले में अमुमन सभी क्षेत्रों-शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, सामाजिक एवं अधोसंरचना में बेहतर कार्य हुए हैं। जिला प्रशासन की विशेष पहल पर पिछले लगभग एक वर्ष में आकांक्षी ब्लॉक गौरेला में संपूर्णता अभियान, समूचे जिले में एक ही दिन में एचबी रक्त परीक्षण और पर्यटन क्षेत्रों के संरक्षण एवं विकास के लिए किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए जीपीएम जिले की खास पहचान बनी है और सम्मान मिला है। नीति आयोग भारत सरकार द्वारा चयनित आकांक्षी ब्लॉक गौरेला में संपूर्णता अभियान के अंतर्गत 6 इंडिकेटर-पंजीकृत गर्भवती महिलाओं का प्रसव पूर्व देखभाल, ब्लॉक में लक्षित आबादी के मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप की जांच, आईसीडीएस कार्यक्रम के तहत गर्भवती महिलाओं को नियमित रूप से पूरक पोषण, मृदा परीक्षण, स्वास्थ्य कार्ड और स्व सहायता समूहों को रिवाल्विंग फंड उपलब्ध कराने के साथ ही सभी 40 इंडिकेटरों को संतृप्त करने के लिए विभिन्न विभागों द्वारा बेहतर कार्य किया जा

रहा है। 6 इंडिकेटर में शत प्रतिशत उपलब्धि पर जिले को राज्य स्तर पर सिल्वर मैडल प्राप्त हुआ है। इस उपलब्धि में जनप्रतिनिधियों का भी सहयोग रहा है। 34 इंडिकेटर की उपलब्धि के लिए सभी विभागों की योजनाओं से हितग्राहियों को संतृप्त किया जा रहा है। इस अभियान में सराहनीय सेवाओं के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, पंचायत और महिला एवं बाल विकास विभाग के 98 अधिकारी-कर्मचारी को प्रशस्ति पत्र एवं मैडल से सम्मानित किया गया है। एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम को शामिल करते हुए जिला प्रशासन द्वारा 26 जून को जिले में चलाए गए रक्त शक्ति महा अभियान में एक ही दिन में जिले की 13 से 45 वर्ष आयु वर्ग की 51 हजार 727 महिलाओं का हीमोग्लोबीन (एचबी) जांच कराने पर जीपीएम जिले का नाम गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज किया गया है। आदिवासी बहुल जीपीएम जिले में महिलाओं में एनीमिया का प्रभाव रहा है। शरीर में रक्त की कमी होने से बहुत सारी समस्याएं होती है, महिलाओं में एचबी की वास्तविक जानकारी प्राप्त करने के लिए रक्त शक्ति महाअभियान को मूर्त रूप दिया गया। रक्त शक्ति महाभियान का उद्देश्य एनीमिया प्रभावित महिलाओं की वास्तविक जानकारी प्राप्त करना था, ताकि जिन महिलाओं में एचबी स्तर 7 ग्राम से कम है, उनके लिए पृथक से कार्य योजना बनाकर उन्हें लाभान्वित किया जा सके। इस अभियान में स्वास्थ्य और महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ ही जिला स्तर से लेकर मैदानी स्तर के सभी विभागों के अमले की सेवाएं ली गई। नवगठित जीपीएम जिला घने वनों, नदियों, झरनों, धार्मिक एवं ऐतिहासिक पर्यटन स्थलों से शुमार है।

दिल्ली रवाना हुए भूपेश बघेल,सीट शेयरिंग और धान खरीदी पर साय सरकार को घेरा

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज दिल्ली दौरे पर रवाना हुए। एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने आगामी बिहार चुनाव के लिए 'इंडिया' गठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर अहम बयान दिया। उन्होंने कहा कि गठबंधन के भीतर सीटों के बंटवारे पर चर्चा अंतिम चरण में है और एक-दो दिन में यह तय हो जाएगा। पूर्व सीएम बघेल ने हाल ही में हुई कलेक्टर कॉन्फ्रेंस में धान खरीदी की चर्चा को लेकर राज्य सरकार पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष का धान अभी तक मिलों तक नहीं पहुंच पाया है। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि कितना धान बिका है और कितने 'डिलीवरी ऑर्डर' जारी किए गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि धान उठाव न होने के लिए कलेक्टरों को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है, जबकि नियमों में बदलाव सरकार ने किया है। बघेल ने कहा, पहले धान 72 घंटे में उठ जाना चाहिए था, अब यह समय सीमा बढ़ाकर 3 महीने कर दी गई है। ऐसे में कलेक्टर क्या कर सकता है? क्या वह अपने सिर पर धान लाद कर ले जाएगा उन्होंने यह भी कहा कि सरकार में किसी कलेक्टर का तबादला करने की भी हिम्मत नहीं है। कॉन्फ्रेंस में डीएफओ को शामिल करने पर पूर्व सीएम ने कटाक्ष करते हुए कहा कि रेत से इनका पेट नहीं भरा, इसलिए जंगल की

ओर जा रहे हैं। दिल्ली दौरे के दौरान भूपेश बघेल कांग्रेस हाईकमान से मुलाकात करेंगे। उन्होंने बताया कि वह कोल घोटाले के मामले में धारा 164 के कथित उल्लंघन के संबंध में वरिष्ठ नेताओं को जानकारी देंगे। उनका आरोप है कि यह सब अधिकारियों और न्यायालय के बीच साठगांठ से हुआ है। पूर्व सीएम के बयान पर भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा ने तीखा पलटवार किया है। विधायक मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस को अपना कार्यकाल याद करना चाहिए और सवाल किया कि क्या भूपेश सरकार में कलेक्टर-एसपी कॉन्फ्रेंस नहीं होती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के शासनकाल में अधिकारी 'बड़बोले और भ्रष्ट' हो गए थे, जिसके कारण अब कई अधिकारी जेल में हैं। मिश्रा ने कहा, हमें कांग्रेस की नसीहत नहीं चाहिए। धान खरीदी वाले बयान पर पलटवार करते हुए उन्होंने कांग्रेस को 'किसान हितैषी नहीं, व्यापारी' बताया और आबकारी विभाग में बड़े घोटाले करने का आरोप लगाया।

उद्भव बच्चों की देखरेख और संरक्षण के लिए अभिनव पहल का शुभारंभ

- हर बच्चे को मिले सुरक्षित और सशक्त भविष्य का अवसर : मंत्री श्रीमती राजवाड़े

रायपुर/ संवाददाता

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मुख्य आतिथ्य में आज रायपुर के खम्हारडीह स्थित शासकीय बालिका गृह में उद्भव नामक अभिनव कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। यह कार्यक्रम महिला एवं बाल विकास विभाग, छत्तीसगढ़ राज्य बाल संरक्षण समिति द्वारा किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 यथा संशोधित 2021 के अंतर्गत संस्थागत एवं गैर संस्थागत देखरेख के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आयोजित किया गया। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 2047 के विकसित भारत के विजन से प्रेरित होकर राज्य सरकार बच्चों के सर्वांगीण विकास और सुरक्षा के लिए सतत कार्य कर रही है। उद्भव कार्यक्रम इसी दिशा में एक अभिनव प्रयास है, जो हर बच्चे को स्नेह, सुरक्षा और सम्मान के साथ सशक्त जीवन जीने का अवसर प्रदान करेगा। कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने शासकीय बालिका गृह में कंप्यूटर लैब का शुभारंभ किया और लाइब्रेरी का अवलोकन किया। उन्होंने बच्चों से संवाद करते हुए कहा कि तकनीकी शिक्षा और कौशल आज की आवश्यकता है, ताकि बच्चे आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बन सकें। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने बताया कि संस्था के साथ जुलाई 2025 में एम.ओ.यू. किया गया था। संस्था के सहयोग से राज्य के रायपुर, दुर्ग, सरगुजा और बस्तर संभागों की 15 संस्थाओं में प्रथम चरण में कार्य प्रारंभ किया जा रहा है। इस पहल के अंतर्गत शिक्षा, स्वास्थ्य, करियर काउंसलिंग, व्यावसायिक प्रशिक्षण और जीवन कौशल से जुड़े कार्यक्रम संचालित होंगे। राज्य में वर्तमान में 112 बाल देखरेख संस्थाएं संचालित हैं, जिनमें 2000 से अधिक बच्चों की देखभाल की जा रही है। वहीं गैर संस्थागत देखरेख अंतर्गत दत्तक ग्रहण, स्पॉन्सरशिप, फोस्टर केयर और आफ्टर केयर कार्यक्रमों से भी बड़ी संख्या में बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग के संचालक श्री पदुम सिंह एल्मा संस्था की सीईओ श्रीमती स्मिता शेट्टी, विभागीय अधिकारी, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट एक्सिस बैंक।

क्षेत्रीय संगठन मंत्री जामवाल को भी सौंपी गई जिम्मेवारी

भावना बोहरा को स्टार प्रचारक के रूप में शामिल किया गया

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के सांसद विधायक तथा मंत्रियों एवं महिला कार्यकर्ताओं को अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव में भेजा जाएगा। सांसद बृजमोहन अग्रवाल को विभिन्न जिलों में प्रचार का जिम्मा दिया गया है, वहीं क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल तथा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की भी ड्यूटी लगाई गई है। स्टार प्रचारक के रूप में शामिल किया गया है। लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल के कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार युवा मोर्चा के कई पदाधिकारियों को टिकट दी जा रही है, जो कि सांसद के प्रिय

मित्र है। छत्तीसगढ़ प्रभारी नितिन नवीन भी चुनाव लड़ रहे है, छत्तीसगढ़ के संगठन प्रभारी अजय जामवाल को भी नियुक्त किया गया है। छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री, नगरीय निकाय मंत्री तथा अन्य विधायकों की भी ड्यूटी लगाई जा रही है। भाजपा महिला मोर्चा के अध्यक्ष विभा अवस्थी के अनुसार छत्तीसगढ़ से 50 से अधिक महिलाएं जाएंगे। वे वहां पर सक्रिय चुनाव प्रचार करेंगी। बिहार में एनडीए और राजद के बीच सीधा मुकाबला है, इसके अलावा क्षेत्रीय दल भी चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस भवन से मिली जानकारी के अनुसार पार्टी अध्यक्ष दीपक बैज सहित कई विधायकों का कांग्रेस का चुनाव प्रचार करने के लिए भेजा जाएगा। कांग्रेस के राहुल गांधी और लालू यादव के बेटे तेजस्वी यादव मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं। टिकट के बंटवारों को लेकर विवाद चल रहा है, लेकिन अभी तक कोई फैसला नहीं हो पाया है।

अवैध शराब का जखीरा बरामद, तीन गिरफ्तार

रायपुर। जिले की थाना चकरभाठा पुलिस ने अवैध रूप से शराब बनाने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है तथा उनके पास से भारी मात्रा में अवैध महुआ शराब बरामद किया है। मिली जानकारी के अनुसर दिनांक 12.10.2025 को थाना प्रभारी चकरभाठा निरीक्षक उत्तम साहू को मोबाइल से सूचना मिली कि ग्राम पिरैया में नदी किनारे कुछ लोग हाथ भट्ठी लगाकर महुआ शराब का निर्माण कर रहे हैं एवं भारी मात्रा में बिक्री हेतु महुआ शराब रखे हैं। सूचना पर निरीक्षक उत्तम साहू द्वारा थाना स्तर पर टीम गठित कर तत्काल मौके पर पहुंच कर घेराबंदी कर रेड कार्यवाही किया गया। जहां मौके पर तीन व्यक्ति मिले जिनके द्वारा नदी किनारे हाथ भट्ठी लगाकर कर अवैध महुआ शराब का निर्माण किया जा रहा था एवं बिक्री हेतु 150 लीटर महुआ शराब रखे थे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी राज्योत्सव के अवसर पर करेंगे उद्घाटन

मुख्य सचिव ने निर्माण स्थल पर पहुंचकर ली तैयारियों की समीक्षा

- अंग्रेजी हुकूमत काल के जनजातीय विद्रोहों पर आधारित संग्रहालय को दिया जा रहा अंतिम स्वरूप
- ओरिएंटेशन रूम की डाक्यूड्रामा हल्बी-गोंडी सहित अन्य जनजातीय बोलियों में तैयार करने के निर्देश

रायपुर/ संवाददाता

अंग्रेजी हुकूमत के काल में छत्तीसगढ़ के आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के शौर्य और बलिदान की स्मृति में नवा रायपुर, अटल नगर में निर्मित किए जा रहे भव्य संग्रहालय-सह-स्मारक को अंतिम रूप दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी राज्योत्सव के अवसर पर इस संग्रहालय का उद्घाटन करेंगे। मुख्य सचिव श्री विकास शील ने आज निर्माण स्थल पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर बनाया जा रहा यह संग्रहालय देश का पहला पूर्णत: डिजिटल संग्रहालय होगा। इसमें स्वतंत्रता आंदोलन के समय छत्तीसगढ़ में हुए 14 प्रमुख आदिवासी विद्रोहों के साथ-साथ जंगल सत्याग्रह और झंडा सत्याग्रह पर अलग-अलग गैलरियाँ बनाई जा रही हैं। संग्रहालय में आगंतुकों को इन जनजातीय आंदोलनों की जीवंत झलकें देखने और सुनने को मिलेंगी। निरीक्षण के दौरान मुख्य सचिव श्री शील ने कहा कि संग्रहालय में प्रदर्शित की जाने वाली सभी वस्तुओं और सामग्री को उनके मूल स्वरूप में ही प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि ओरिएंटेशन रूम में प्रदर्शित की जाने वाली डाक्यूड्रामा हल्बी-गोंडी या अन्य जनजातीय बोलियों में तैयार की जाए, ताकि यह स्थानीय संस्कृति से जुड़ाव का

सशक्त माध्यम बन सके। उन्होंने प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए सभी गैलरियों का भ्रमण किया और आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने संग्रहालय में प्रदर्शित किए जाने वाले आदिवासी विद्रोहों का संक्षिप्त परिचय देते हुए पूरे रूट चार्ट के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने आज ही संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर लोकार्पण की तैयारियों की समीक्षा की। श्री बोरा ने कहा कि यह छत्तीसगढ़ के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण अवसर है कि देश का पहला पूर्णत: डिजिटल आदिवासी संग्रहालय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कर-कमलों से लोकार्पित होने जा रहा है। उन्होंने सभी विभागों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का आग्रह किया। प्रमुख सचिव श्री बोरा ने प्रधानमंत्री जी के लोकार्पण रूट-प्लान के अनुसार अनिवार्य सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने, संग्रहालय तक आने वाले पूरे मार्ग पर स्ट्रीट लाइट, रंग-रोगन एवं सौंदर्यीकरण के कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संग्रहालय क्षेत्र में चौबीसों घंटे विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा गार्डनिंग और वृक्षारोपण की आवश्यक तैयारियाँ भी समय पर पूरी हों। उल्लेखनीय है कि शहीद वीर नारायण सिंह संग्रहालय देश का पहला पूर्णत: डिजिटल संग्रहालय होगा। इसमें स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान छत्तीसगढ़ में हुए प्रमुख आदिवासी विद्रोहों—हल्बा विद्रोह, सरगुजा विद्रोह, भोपालपट्टनम विद्रोह, परलकोट विद्रोह, तारापुर विद्रोह, लिंगागिरी विद्रोह, कोई विद्रोह, मेरिया विद्रोह, मुरिया विद्रोह, रानी चौरिस विद्रोह, भूमकाल विद्रोह, सोनाखान विद्रोह, तथा झंडा सत्याग्रह और जंगल सत्याग्रह—के वीर नायकों के संघर्ष और शौर्य को 14 गैलरियों में जीवंत रूप से प्रदर्शित किया जा रहा है।

संपादकीय

कानून से न्याय दिलाने वाला हिंसा की भाषा में क्यों बोल पड़ा?

सुप्रीम कोर्ट में वकील द्वारा जूता फेंकने की कोशिश ने न्यायिक गरिमा पर प्रश्न खड़ा कर दिया। यह घटना केवल असंयम नहीं, बल्कि सोशल मीडिया के प्रभाव में कानून और विवेक की पतन की चेतावनी है। हैरानी की बात है कि आरोपी ने अपनी मनमानी करने का जो कारण बताया, उससे यह साफ है कि वकील होने के बावजूद उसकी नजर में कानून या न्याय-प्रणाली की कोई अहमियत नहीं है। इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि जिन लोगों से संविधान और कानून की रक्षा, उसकी मजबूती के लिए काम करने की उम्मीद की जाती है, वही अपनी कुंठाओं का प्रदर्शन करते हुए सारे नियम-कायदे ताक पर रख दें। सर्वोच्च न्यायालय में सोमवार को प्रधान न्यायाधीश के साथ एक वकील ने जो किया, उससे यह तीखा सवाल उठा है कि ऊंची पढ़ाई-लिखाई करके वकालत का पेशा चुनने वाला एक व्यक्ति कैसे अपने दुराग्रहों की वजह से कानून और न्याय-प्रक्रिया को अपमानित कर सकता है। गौरतलब है कि एक वकील ने कार्यवाही के बीच में ही प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की ओर सिर्फ इसलिए जूता उछालने की कोशिश की कि उसके दिमाग पर सोशल मीडिया पर फैलाई गई कोई बात हावी हो गई थी। सरकार की ओर से हर स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था एक मुद्दा दिखने के बावजूद अदालत के भीतर इसका ढांचा कैसा था कि एक व्यक्ति अपनी मनमानी को लेकर बेखौफ था। गनीमत बस यह रही कि आरोपी की हरकत सीमित थी, वरना वहां कुछ भी हो सकता था। सवाल है कि जिस व्यक्ति के भीतर विवेक इस कदर अनुपस्थित हो गया हो कि वह अदालत में ही प्रधान न्यायाधीश के प्रति आक्रामक हो गया, वह इससे ज्यादा हिंसक नहीं होगा, इस बात की क्या गारंटी है। इस मसले पर सोशल मीडिया पर फैलाई गई बातों के असर में इस तरह बेलगाम और आक्रामक होना इस बात का भी सूचक है कि ऐसे व्यक्ति का विवेक सामान्य तरीके से काम नहीं कर पा रहा है और वह कानून के तंत्र एवं शासन के बजाय हिंसा का रास्ता अख्तियार करना ज्यादा सही मानता है। शायद यही वजह है कि प्रधान न्यायाधीश ने भले ही उदारता दिखाते हुए आरोपी व्यक्ति के प्रति नरमी बरती, लेकिन सुप्रीम कोर्ट बार काउंसिल ने आरोपी वकील का लाइसेंस जब्त कर उसे निलंबित कर दिया। मगर इस घटना की गंभीरता को समझते हुए ही खुद प्रधानमंत्री सहित अन्य कई बड़े नेताओं ने इसे निंदनीय बताया और चिंता जाहिर की। हैरानी की बात है कि आरोपी ने अपनी मनमानी करने का जो कारण बताया, उससे यह साफ है कि वकील होने के बावजूद उसकी नजर में कानून या न्याय-प्रणाली की कोई अहमियत नहीं है। दरअसल, सोशल मीडिया पर प्रधान न्यायाधीश के एक बयान की मनमानी व्याख्या करके उसे फैलाया गया और उसके प्रभाव में आए लोगों ने इस पर सोचने-समझने या विवेक का उपयोग करने की जरूरत नहीं समझी।

भारतीय जनता पार्टी काफी समय से यह दावा करती आ रही है कि 'एक देश एक चुनाव' चुनाव सुधार की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा। लिहाजा भाजपा की केन्द्र सरकार ने सितंबर 2023 में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में 'एक देश, एक चुनाव' की संभावनाएं तलाशने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया। जिसने 191 दिनों के मंथन के बाद मार्च 2024 में राष्ट्रपति को एक रिपोर्ट सौंपा।

लोकतांत्रिक सुधारों के लिए क्यों जरूरी है 'एक देश, एक चुनाव'

(अवतंस चित्रांश)

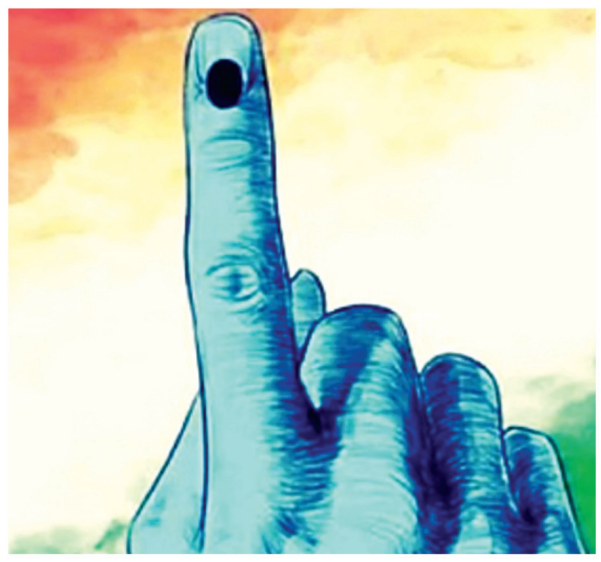

रिपोर्ट में कहा गया कि 15 दलों को छोड़कर बाकी 32 दलों ने साथ-साथ चुनाव कराने का समर्थन किया और कहा कि ये तरीका संसाधनों की बचत, सामाजिक तालमेल बनाए रखने और आर्थिक विकास को तेजी देने में मदद करेगा। लेकिन इस प्रस्ताव के खिलाफ भी कई तर्क हैं।

इनमें दो तर्क बहुत महत्वपूर्ण हैं, पहला, नियमित चुनावों होने से,सरकार लोगों की इच्छा को सुनने के लिए बाध्य होती है, जबकि एक साथ चुनाव होने से सरकार की जनता के प्रति जवाबदेही में कमी आएगी मैंने इस तर्क को खंगालने की कोशिश की, क्या एक साथ चुनाव होने की व्यवस्था से सरकार निरंकुश हो सकती हैं? कार्यकाल पूरा होने से पहले सरकार गिरती है तो एक देश एक चुनाव का क्या होगा?

'एक देश, एक चुनाव' के खिलाफ दूसरा महत्वपूर्ण तर्क है कि लोकसभा चुनावों में राष्ट्रीय हित के मुद्दे प्राथमिकता में होते है, जबकि राज्यों के चुनाव स्थानीय मुद्दों पर होते हैं। ऐसे में एक साथ चुनावों के कारण, राष्ट्रीय मुद्दे राज्य के मुद्दों पर हावी हो सकते है। इस तर्क में भी दम है, इसलिए सवाल उठता है कि ऐसी स्थिति में जनता कैसे जवाबदेह सरकार या जनप्रतिनिधि का चुनाव करेगी?

इन दोनों तर्कों के पड़ताल में मैंने ये पाया कि असल में एक देश एक चुनाव का विरोध सिर्फ इसलिए है क्योंकि राजनीतिक दल जनता को मूर्ख समझते हैं और ये मानकर चलते हैं कि सरकारी तंत्र जनता को प्रभावित करता है।

'एक देश, एक चुनाव' की व्यवस्था के खिलाफ इन तर्कों का और गहराई से पड़ताल करें तो हम सभी जानते हैं कि कैसे चुनावों में मतदान और मतदाताओं को प्रभावित किया जाता है। जातीय समीकरण, स्थानीय समीकरण, हाल के वर्षों में फ्री बीज कल्चर, दक्षिण में आरक्षण का वादा। इन सबके अतिरिक्त बहुत स्थानीय स्तर पर थाना, कचहरी की राजनीति से जनता के मत को प्रभावित किया जाता रहा है। फिर जवाबदेही और राष्ट्रीय व राज्य के मुद्दों का तर्क बेमानी है। फिर भी इसे तथ्यों और आंकड़ों के जरिए समझने के लिए हम एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्म्स के विश्लेषण को आधार मान लेते हैं जो चुनाव आयोग के आंकड़ों के हवाले से रिपोर्ट तैयार करता है। एडीआर अपनी रिपोर्ट में एक डिस्क्लेमर देता है कि इस तरह की जानकारी का उद्देश्य के वल हमारी चुनावी और राजनीतिक प्रक्रिया में धन के बढ़ते उपयोग को उजागर करना है ताकि पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन की प्रणाली को सुगम बनाया जा सके और मतदाताओं को एक सूचित विकल्प बना ने में सक्षम बनाया जा सके । जाहिर है, 'एक देश, एक चुनाव' का पूरा कॉन्सेप्ट ही चुनावी खर्चों में कटौती का है। ऐसे में एडीआर की रिपोर्ट यह समझने के लिए काफी है कि घोषित चुनावी खर्च से जनता को कैसे प्रभावित किया जाता है। एडीआर ने 2024 के लोकसभा चुनाव में हुए खर्च का विश्लेषण किया। और पाया कि 32 में से 5 राष्ट्रीय और 27 क्षेत्रीय दलों ने 16 मार्च से छह जून, 2024 के बीच 3,352.81 करोड़ रुपये खर्च किए। यह खर्च लोकसभा चुनावों के साथ-साथ हुए आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, उडीसा और सिक्किम विधानसभा चुनावों के दौरान का है। इस खर्च में राष्ट्रीय दलों का योगदान 2,204 करोड़ रुपये यानी 65.75 फीसदी रहा। भाजपा ने लगभग 1,494 करोड़ रुपये खर्च किए, जो कुल चुनावी व्यय का 44.56 फीसदी था। कांग्रेस ने 18.5 प्रतिशत यानी 620 करोड़ रुपये खर्च किए। दिलचस्प यह है कि कुल चुनावी खर्च में केवल प्रचार पर ही 2,008 करोड़ रुपये खर्च किए गए जो सबसे ज्यादा खर्च है। इसमें भी 1,511.30 करोड़ रुपये राष्ट्रीय दलों ने और 496.99 करोड़ रुपये क्षेत्रीय दलों ने खर्च किए। अब इन आंकड़ों से दो बातें निकलकर सामने आती हैं। पहला, ये वो आंकड़े हैं जो चुनाव आयोग की वेबसाइट पर हैं। जाहिर है असल खर्च के आंकड़े इससे कहीं ज्यादा हुए होंगे। दूसरा लोकसभा चुनाव के साथ आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश,उड़ीसा और सिक्किम विधानसभाओं के चुनाव भी संपन्न हुए। इसमें बहुत से दलों ने लोकसभा विधानसभा के खर्चे एक साथ दिखाए हैं, जिससे पता चलता है कि एक साथ चुनाव होने से संसाधनों की बचत हुई है। और इससे क्षेत्रीय दलों के चुनाव प्रचार पर कोई फर्क नहीं पड़ा है। पांच राष्ट्रीय दलों में कांग्रेस और भाजपा ने लोकसभा और चार विधानसभाओं का चुनाव एक साथ लड़ा। बसपा ने लोकसभा के साथ तीन राज्य विधानसभाओं का चुनाव लड़ा।सीपीएम ने भी लोकसभा के साथ तीन राज्य विधानसभाओं का चुनाव लड़ा। जबकि आम आदमी पार्टी ने लोकसभा के साथ उड़ीसा विधानसभा का चुनाव लड़ा। इन सभी दलों को एक ही खर्च पर चुनाव प्रचार करने को मिला। साथ ही आंध्र प्रदेश की दो बड़े दल तेलगू देशम और वाईएसआर कांग्रेस को राज्य विधानसभा के साथ लोकसभा चुनाव का प्रचार भी करना कम खर्चीला ही लगा होगा। उड़ीसा विधानसभा चुनाव में बीजू जनता दल को राज्य विधानसभा के साथ लोकसभा चुनाव लड़ा। जिससे प्रचार के खर्च कम तो जरूर हुए होंगे। अब नतीजों के साथ जवाबदेही और मुद्दों का विश्लेषण कर लीजिए। आंध्र प्रदेश में 175 विधानसभा सीटें हैं। तेलगू देशम ने 135 सीटें जीती जबकि पूर्ववर्ती सरकार वाईएसआर कांग्रेस को 11 सीटें हासिल हुई। हालांकि वाईएसआर कांग्रेस 2019 के चुनाव में 151 सीटें मिली थी। ऐसे में स्पष्ट है कि लोकसभा चुनाव के साथ विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय मुद्दों का कोई प्रभाव नहीं था स्थानीय मुद्दों पर वाईएसआर कांग्रेस को करारी हार मिली। दूसरी तरफ उड़ीसा में बीजू जनता दल 24 वर्षो से सत्ता में थी। बावजूद इसके भाजपा उड़ीसा विधानसभा में 78 सीट ही जीत सकी, बहुमत से 4 सीट ज्यादा। यदि हम यह मान भी लेते है कि 24 साल के शासन से जनता में एक एंटी इंकबेंसी होता है। तो भी भाजपा की जीत औसत रही और खुद उसके प्रदेश अध्यक्ष चुनाव हार गए। यदि राष्ट्रीय मुद्दे राज्य के मुद्दों पर हावी थे तो उड़ीसा विधानसभा चुनाव के नतीजे कुछ और होते। तीसरा प्वाइंट महत्वपूर्ण है। मान लीजिए 'एक देश, एक चुनाव' लागू रहता तो लोकसभा चुनाव के साथ दिल्ली विधानसभा का चुनाव भी होता। दिल्ली में लोकसभा चुनाव छठे चरण में 25 मई 2024 को हुआ और आठ महीने बाद 8 फरवरी 2025 को दिल्ली विधानसभा चुनाव हुए। भाजपा ने 2014 और 2019, दोनों लोकसभा चुनावों में दिल्ली की सभी सातों सीटें जीती थीं। 2024 में भी भाजपा ने सभी सात सीटें जीती। लेकिन 2015 और 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को अप्रत्याशित जीत मिली थी, लेकिन 2025 में भाजपा दिल्ली में सरकार बनाने में कामयाब रही। यानी यहां अलग अलग चुनाव होने से भी राष्ट्रीय मुद्दे और स्थानीय मुद्दों का घालमेल नहीं हुआ। रहा सवाल जनता के प्रति जवाबदेही की तो जब प्रचार से जनता प्रभावित नहीं हुई, तो सत्ता को सवाल का जवाब देना ही पड़ेगा। अब आइए दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी और भाजपा के चुनावी खर्चों का विश्लेषण करते हैं जिससे पता चला है कि 69 में 31 विधायकों ने अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में तय सीमा के 50 प्रतिशत से कम चुनाव राशि खर्च की घोषणा की है। अगर घोषित खर्चों को सही मान लेते हैं तब भी दिल्ली विधानसभा का चुनाव यदि लोकसभा चुनाव के साथ होता तो चुनावी नतीजों में कोई खास अंतर नहीं मिलता। मसलन आम आदमी पार्टी के विजयी विधायक आले मोहम्मद खान सबसे ज्यादा मत पाने वाले उम्मीदवार रहे जबकि उन्होंने चुनाव प्रचार में सबसे कम खर्च किया। चुनाव आयोग को अपने खर्चे का जो ब्यौरा आम आदमी पार्टी ने दिया है उसके मुताबिक पार्टी ने दिल्ली विधानसभा चुनावों में प्रचार पर 14.51 करोड़ रुपए खर्च किए जबकि लोकसभा चुनाव में उसने आठ करोड़ छत्तीस लाख रुपए खर्च किए थे। जाहिर है दिल्ली के दोनों चुनाव साथ साथ होते तो जनता के प्रति जवाबदेही और मुद्दों का कोई घालमेल नहीं होता। अब आप खुद आंकलन करें कि एक देश एक चुनाव किस आधार पर संघीय ढांचे के खिलाफ है। इसमें कोई दो राय नहीं कि एक साथ चुनाव कराना बहुत ही चुनौती पूर्ण होगा। पहली बार तो लोकसभा और संबंधित राज्यों की विधानसभाओं के कार्यकाल को संशोधित करके सभी चुनाव, एक साथ कराए जा सकते हैं। लेकिन ऐसी स्थिति को लंबे समय तक बनाए रखना चुनौती पूर्ण होगा, क्योंकि, जैसे ही कोई सरकार अपनी विधानसभा में विश्वास खो देती है, यह व्यवस्था फिर से अस्त-व्यस्त हो जाएगी। लेकिन इसका कतई मतलब नहीं कि आप सुधार प्रक्रिया को रोके, सुधार निरंतर होने वाली प्रक्रिया है ये गणित का फ़ार्मुला नहीं है कि दो दूनी चार ही होगा। यह लेखक के निजी विचार

मानव चेतना के संकट को अभिव्यक्त करते हैं लास्लो

हरीश शिवनानी

कई दिनों की उत्कंठा के बाद आख़िरकार साहित्य का नोबेल पुरस्कार घोषित हो गया और इस बार भी किसी भारतीय को नहीं मिला। चर्चा थी कि अमिताव घोष या विनोद कुमार शुक्ल रवींद्रनाथ टैगोर की यात्रा को आगे बढ़ाएंगे पर ऐसा हो न सका। नोबेल पुरस्कार देने वाली स्वीडिश अकादमी ने विश्व के इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए हंगरी के लेखक लास्लो क्रास्नाहोरकाई को चुना। ज्यूरी के मुताबिक लास्लो के लेखन में 'मानवता की नाजुकता और इतिहास की जटिलता को उजागर करने वाली गहन, अपोकैलिप्टिक(सर्वविनाशकारी) दृष्टि' है। यह लास्लो की अद्वितीय साहित्यिक उपलब्धियों और वैश्विक साहित्य में योगदान का प्रमाण है। क्रास्नाहोरकाई का साहित्य, जो अपनी जटिल संरचना, लंबे वाक्यों और दार्शनिक गहराई के लिए जाना जाता है, समकालीन विश्व की अस्थिरता और मानव चेतना के संकट को गहरे स्तर पर अभिव्यक्त करता है।

क्रास्नाहोरकाई का साहित्य साम्यवाद, फासीवाद और पूंजीवाद जैसे ऐतिहासिक और राजनीतिक ढांचों के प्रभावों को गहराई से खंगालता है।उनके उपन्यास, जैसे 'सतानटैंगो'और 'द मेलानकली ऑफ रेसिस्टेंस', साम्यवादी हंगरी के पतन और उसके बाद की अराजकता को चित्रित करते हैं। हालांकि, उनकी रचनाएं केवल ऐतिहासिक नहीं हैं; वे सार्वभौमिक हैं। लेखक के अनुसार, मानवता का संकट समय और स्थान से परे है। फियोना सैम्पसन का मानना है कि क्रास्नाहोरकाई का साहित्य वर्तमान विश्व की अस्थिरता को प्रतिबिंबित करता है, जहां लोकतंत्र और सभ्यता के ढांचे कमजोर पड़ रहे हैं। उनकी विचारधारा में मानव स्वभाव की नाजुकता और सत्ता के दुरुपयोग के प्रति गहरी चिंता झलकती है। न्क्रास्नाहोरकाई का मानना है कि मानव समाज बार-बार अपने ही बनाए ढांचों में उलझकर पतन की ओर बढ़ता है। उनकी रचनाएं व्यक्तिगत और सामूहिक दोनों स्तरों पर इस पतन को चित्रित करती हैं। उदाहरण के लिए, 'सतानटैंगो' में एक छोटे से हंगेरियन गांव में सामूहिक भ्रम और निराशा का चित्रण साम्यवाद के पतन के बाद की सामाजिक और नैतिक रिक्तता को दर्शाता है।

क्रास्नाहोरकाई की लेखन शैली उनकी सबसे विशिष्ट विशेषता है। आलोचकों ने उनके लंबे, जटिल वाक्यों को 'संगीतमय और सम्मोहक' बताया है, जो पाठक को एक ट्रांस जैसी अवस्था में ले जाते हैं। उनकी रचनाएं पारंपरिक कथानक या संवाद पर निर्भर नहीं करतीं; इसके बजाय, वे चेतना के प्रवाह और आंतरिक एकालापों पर आधारित होती हैं। उनकी शैली फ्रांज़ काफ्का और थॉमस बर्नहार्ड की परंपरा को आगे बढ़ाती है, जिसमें एक ही वाक्य कई पृष्ठों तक चल सकता है, जैसे 'द मेलानकली ऑफ रेसिस्टेंस' में। यह शैली पाठक के लिए चुनौतीपूर्ण है, लेकिन यही उनकी रचनाओं की गहराई का रहस्य भी है क्योंकि उनके वाक्य संरचना में एक दार्शनिक और काव्यात्मक गुणवत्ता है। उदाहरण के लिए, 'वार एंड वार' में एक पांडुलिपि के माध्यम से नायक की मानसिक अवस्था को उकेरा गया है, जो वास्तविकता और भ्रम के बीच की रेखा को धुंधला करती है। उनकी रचनाएं पारंपरिक कथानक की संरचना को तोड़ती हैं और पाठक को एक गहरे, लगभग ध्यानात्मक अनुभव में डुबो देती हैं।

क्रास्नाहोरकाई के उपन्यासों में प्रमुख थीम्स में अपोकैलिप्टिक (सर्वविनाशकारी) दृष्टि, सामाजिक पतन और मानव की अर्थ की खोज शामिल हैं। उनके उपन्यास 'इतिहास के अंत' की भावना को चित्रित करते हैं, जहां समाज अपने ही वजन के नीचे ढह रहा है। 'सतानटैंगो' में, एक गांव के निवासियों का एक रहस्यमय नेता के पीछे चल पड़ना इस बात का प्रतीक है कि कैसे लोग भ्रम और झूठे वादों में आसानी से फंस जाते हैं। यह उपन्यास साम्यवादी हंगरी के पतन के बाद की निराशा को दर्शाता है, लेकिन इसकी थीम्स सार्वभौमिक हैं, जो आज के लोकलुभावन और अस्थिर विश्व से भी मेल खाती हैं।

'द मेलानकली ऑफ रेसिस्टेंस' में, क्रास्नाहोरकाई सभ्यता के पतन और कला की शक्ति को एक सर्कस और एक विशाल व्हेल के प्रतीक के माध्यम से चित्रित करते हैं। यह उपन्यास सत्ता, भय और सामूहिक हिस्टीरिया के बीच तनाव को दर्शाता है। आलोचकों ने इस उपन्यास को 'आधुनिक विश्व की अराजकता का दर्पण' बताया है।

उनके साहित्य में प्रतिरोध भी एक महत्वपूर्ण थीम है। उनके पात्र अक्सर अर्थहीनता और निराशा के खिलाफ लड़ते हैं, भले ही उनकी लड़ाई व्यर्थ लगे। बारन वाल्डहाइम में, एक संगीतकार अपनी कला के माध्यम से अराजकता के खिलाफ प्रतिरोध करता है, जो क्रास्नाहोरकाई की इस विश्वास को दर्शाता है कि कला, भले ही वह त्रासदीपूर्ण हो, मानवता की आखिरी उम्मीद हो सकती है।

राष्ट्र निर्माण में योगदान हम सब की जिम्मेदारी

कृष्णमोहन झा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने गत दिवस नागपुर में सुप्रतिष्ठित साहित्यकार उदय जोशी द्वारा रचित चार उपन्यासों और भालचंद्र हार्डस की दो कृतियों के विमोचन समारोह में मुख्य अतिथि की आसंदी से बोलते हुए यह बताया कि सौ वर्ष पूर्व डा केशव बलीराम हेडगेवार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के लिए नागपुर का चयन क्यों किया। संघ प्रमुख ने कहा कि देश में बहुत से लोग हिंदुत्व पर गर्व करते थे और हिन्दू एकता की बात करते थे लेकिन संघ जैसे संगठन की स्थापना के लिए नागपुर ही उपयुक्त था क्योंकि यहां पहले से ही त्याग और निस्वार्थ सेवा की भावना मौजूद थी । यहां मौजूद त्याग और सामाजिक प्रतिबद्धता की भावना ने संघ की स्थापना में मदद की। संघ प्रमुख ने कहा कि संघ की स्थापना समाज में अनुशासन, सेवा, सांस्कृतिक जागरूकता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना पैदा करने के उद्देश्य से की गई थी। नागपुर में संघ के स्वयं सेवकों के लिए विशेष स्थान प्रदान किया गया है परन्तु यह अपने लिए किसी विशेष दर्जे का दावा नहीं करता। संघ प्रमुख ने अपने भाषण में इस बात को विशेष रूप से रेखांकित किया कि कि अपने देश का निर्माण व उसे और बेहतर बनाना हम सभी नागरिकों की जिम्मेदारी है । ऐसा करने से हमारे अपने हितों की रक्षा भी होती है। जो देश अच्छा प्रदर्शन करता है वह सारी दुनिया में सुरक्षित और सम्मानित होता है।

मोहन भागवत ने छत्रपति शिवाजी महाराज के शासनकाल की विशेषताओं की चर्चा करते हुए कहा कि ?उन्होंने स्वराज्य की स्थापना अपने लिए नहीं बल्कि ईश्वर,धर्म और राष्ट्र के लिए की थी। उन्होंने एक महान उद्देश्य के लिए लोगों को संगठित किया। शिवाजी महाराज की एकता की भावना ने समाज को ताकत प्रदान की । जब तक उनके आदर्श जीवित रहे समाज में प्रगति और विकास प्रतिबिंबित होता रहा। शिवाजी महाराज के विचारों से देश भर के शासक और स्वतंत्रता सेनानी प्रभावित हुए। उनके विचारों ने 1857 के स्वतंत्रता संग्राम को प्रेरित किया । ब्रिटिश शासकों ने योजनाबद्ध तरीके से उन प्रेरणादायक भारतीय परंपराओं और प्रतीकों को नष्ट करने का प्रयास किया जो भारतीयों को एकजुट करती थीं। संघ प्रमुख ने लोगों का आह्वान किया कि हम इतिहास से सीखें और उन लोगों की निस्वार्थ भावनाओं को याद रखें जिन्होंने देश और समाज के लिए कार्य किया। हमारे इतिहास में भारत को एक ऐसा शांत और समृद्ध देश बनाने की पर्याप्त शक्ति है जो विश्व में अपना योगदान दे सकता है।

उल्लेखनीय है कि सरसंघचालक मोहन भागवत ने उक्त समारोह में जिन 6 कृतियों का विमोचन किया उनमें नागपुर के भोंसले राजवंश की समृद्ध आध्यात्मिक विरासत और उस काल की मनमोहक वास्तुकला का सुंदर वर्णन किया गया है। उदय जोशी ने अपने चार उपन्यासों आदि पर्व, संघर्ष पर्व, कलह पर्व और हर्ष पर्व तथा भालचंद्र हार्डस ने अपनी दोनों कृतियों महलची भ्रमंची और धर्म भूषण श्रीमंत राजे लक्ष्मण राव महाराज भोंसले में भोंसले राजवंश के वीरता पूर्ण गौरवशाली इतिहास पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उसका जो प्रभावी प्रस्तुतीकरण किया है उसके लिए संघ प्रमुख ने लेखक द्वय की सराहना की ।

(लेखक राजनैतिक विश्लेषक है)

आत्मा की राह थोड़ी अलग होती है

(सुंदरचंद ठाकुर)

बहुत कुछ हमने जाना, बहुत कुछ समझा, बहुत दूर चले, पर जब जीवन के शोर से थककर भीतर की ओर झांकते हैं, तब एक धीमी-सी आवाज सुनाई देती है। यह आवाज न मन की है, न बुद्धि की। यह आत्मा की पुकार है ङ्क जो अक्सर हमारी दुनियावी चाहतों, शोरगुल और दूसरों की अपेक्षाओं के नीचे दब जाती है। मन चाहता है सफलता, सम्मान, सुरक्षा। शरीर चाहता है सुख, सुविधा, आराम। पर आत्माज आत्मा सिर्फ एक चीज चाहती है - सच्चाई। वह जानना चाहती है कि हम कौन हैं, क्यों आए हैं और किस दिशा में बढ़ना है।

बहुत से लोग जीवन की उसी राह पर चलते हैं जो सबने तय कर रखी है। अच्छी पढ़ाई, अच्छी नौकरी, विवाह, परिवार, प्रतिष्ठा - यह सब जरूरी हो सकता है, पर आत्मा की राह इससे अक्सर अलग होती है। आत्मा की यात्रा कोई सीधी-सादी सड़क नहीं होती। वह पहाड़ियों से होकर जाती है, अकेलेपन से गुजरती है और कई बार भीड़ से बिलकुल उलट दिशा में जाती है। आपने देखा होगा - कुछ लोग बहुत कुछ होने के बावजूद अधूरे लगते हैं। उनके पास पैसा है, सम्मान है, पर आंखों में चमक नहीं है, बातों में आत्मा नहीं है। क्योंकि शायद वे आत्मा की राह से भटक गए हैं। उन्होंने वही चुना जो सबने कहा, न कि वह जिसे उनकी आत्मा ने चाहा। आत्मा की राह अक्सर डरावनी लगती है क्योंकि वह अकेली होती है। उस पर तालियां नहीं बजतीं, उस पर 'लाइक' और 'फॉलो' नहीं मिलते। पर जो उस राह पर चलने का साहस करते हैं, वे भीतर से कुछ और ही बन जाते हैं। वे टूटते नहीं, वे गहराते हैं। वे भटकते नहीं, वे सीखते हैं। और धीरे-धीरे, उनके जीवन से एक ऐसी ऊर्जा फूटती है जो दूसरों को भी खींचती है। कभी-कभी आत्मा की राह हमें बाहरी रूप से सफल नहीं बनाती, पर वह हमें सच्चा बनाती है। और सच्चा होना, इस दुनिया में सबसे बड़ी सफलता है।

महात्मा गांधी जब दक्षिण अफ्रीका में सत्य के लिए खड़े हुए थे, तब वह कोई प्रसिद्ध नेता नहीं थे। पर उनकी आत्मा ने उन्हें खड़ा कर दिया। मीरा जब कृष्ण की भक्ति में सबकुछ छोड़कर निकल पड़ी थीं, तो समाज ने उन्हें पागल कहा। लेकिन उनकी आत्मा शांत थी क्योंकि वह अपनी राह पर थीं। इसलिए जीवन में एक बार तो ठहर कर पूछिए - क्या मैं उस राह पर चल रहा हूँ जो मेरी आत्मा चाहती है? या मैं बस मन और समाज के कहे अनुसार दौड़ रहा हूं? आत्मा की राह पर चलना तपस्या है। यह आत्म-अन्वेषण है। यह खुद से ईमानदारी है। जब हम इस राह पर चलते हैं, तो भले ही दुनिया की भीड़ में खो जाएं, अपने आप को पा लेते हैं।

जीवन छोटा है। समय बहता जा रहा है। हर दिन अगर आत्मा की पुकार को अनसुना किया जाए, तो भीतर एक शून्य बनने लगता है। और यह शून्य तब तक नहीं भरता, जब तक हम वह राह न पकड़ लें जो हमारे जन्म की असली वजह से जुड़ी हो। तो आज, अभी, इस पल, बस थोड़ी देर रुकिए। शांति से बैठिए। अपने भीतर सुनिए ङ्क क्या कोई धीमी-सी पुकार आ रही है? अगर हां, तो जान लीजिए - वही आपकी आत्मा की राह है। और उस पर चलना ही असली जिंदगी है। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

मगेदा के युवाओं ने पेश की मिसाल गांव वालों से चंदा जुटाकर खुद कर डाली सड़क की मरम्मत

केण्डागांव। ग्रामीणों की परेशानी देख युवाओं ने उठाया सराहनीय कदम प्रशासन के इंतज़ार में नहीं गंवाई एक और बरसात मांकड़ी कोंडागांव जिला के विकासखंड माकडी अन्तर्गत ग्राम पंचायत मगेदा के युवाओं ने समाज सेवा की मिसाल पेश करते हुए गांव की जर्जर सड़क को अपने निजी खर्च और ग्रामीणों से जुटाए चंदे से दुरुस्त कर दिया है। गम्हरी से मगेंदा तक लगभग 5 किलोमीटर लंबी सड़क बीते कई वर्षों से खराब हालत में थी। सड़क में बड़े-बड़े गड्ढे बन गए थे और पुल का हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो चुका था। बारिश के दिनों में कीचड़ और गड्ढों से होकर गुजरना ग्रामीणों के लिए बेहद मुश्किल हो गया था। सरपंच प्रतिनिधि बसमन नेताम ने बताया कि इस सड़क का निर्माण करीब 20 वर्ष पहले हुआ था। कई बार प्रशासन को इसकी मरम्मत के लिए अवगत कराया गया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। ऐसे में गांव के युवाओं ने खुद आगे आकर सड़क की मरम्मत का बीड़ा उठाया। उन्होंने घर-घर जाकर चंदा इकट्ठा किया और श्रमदान व सामूहिक प्रयासों से सड़क को सुचारु बनाया। ग्रामीण देवेन्द्र नाग ने कहा 'बरसों से पक्की सड़क की मांग की जा रही थी, पर अब तक पूरी नहीं हुई। मगर युवाओं ने हार नहीं मानी और अपने संसाधनों से ही मरम्मत कर दी। अब बारिश में आना-जाना आसान हो गया है। वहीं ग्रामीण रमेश नेताम ने बताया कि पहले इस सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढों के कारण बच्चों और बुजुर्गों को काफी परेशानी होती थी। युवाओं की इस पहल से गांव को बड़ी राहत मिली है। शासन को अब जल्द ही इसका डामरीकरण कार्य करवाना चाहिए। ग्राम पंचायत के इस कार्य की चारों ओर सराहना हो रही है। दूसरी पंचायतें भी इसे एक अनुकरणीय उदाहरण के रूप में देख रही हैं।

पटाखों दुकानों में आग से बचाव हेतु परामर्श जारी

कांकेर। जिले में संचालित समस्त स्थायी एवं अस्थायी पटाखा दुकानों में आग से बचाव के लिए नगर सेना, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं तथा एसडीआरएफ मुख्यालय रायपुर से परामर्श जारी किया गया है। जारी की गई एडवायजरी के अनुसार पटाखा दुकान किसी भी ज्वलनशील पदार्थ जैसे कपड़ा, बांस रस्सी, टेंट इत्यादि का न होकर अज्वलनशील सामग्री से बने टिन शेड द्वारा निर्मित होना चाहिए। पटाखा दुकान एक दूसरे से कम से कम 3 मीटर की दूरी पर एवं एक दूसरे के सामने न बनाई जाए। पटाखा दुकानों में प्रकाश व्यवस्था हेतु किसी भी प्रकार के तेल लैप, गैस लैप एवं खुली बिजली बत्ती का प्रयोग प्रतिबंधित होना चाहिए। किसी भी पटाखा दुकान से 50 मीटर के अंदर आतिशबाजी प्रदर्शन प्रतिबंधित होनी चाहिए। विद्युत तारों में ज्वाइन्ट खूला नहीं होना चाहिए एवं प्रत्येक मास्टर स्विच में फ्यूज या सर्किट ब्रेकर लगा होना चाहिए, जिससे शार्ट सर्किट की स्थिति में विद्युत प्रवाह स्वतः बंद हो जाए। दुकानें ट्रांसफार्मर के पास न हो और उसके ऊपर से हाई टेंशन पावर लाईन न गुजरती हो। प्रत्येक पटाखा दुकान में 5 किलोग्राम क्षमता का डीसीपी अग्निशामक यंत्र होना चाहिए। इसकी मारक क्षमता 6 फीट की होती है। दुकानों के सामने कुछ अंतराल में 500 लीटर क्षमता के ड्रम की व्यवस्था बाल्टियों के साथ होनी चाहिए। पटाखा दुकानों के सामने बाईक, कार की पार्किंग प्रतिबंधित होना चाहिए। अग्निशमन वाहन एवं एम्बुलेंस का फोन नंबर, दुकान परिसर के कुछ स्थानों में लगाया जाए तथा अग्निशमन वाहन के मूवमेंट के लिए पर्याप्त स्थान होना चाहिए। जांच के दौरान उक्त नियमों का पालन नहीं पाए पर छत्तीसगढ़ अग्निशमन नियमावाली 2021 तहत् कार्यवाही किया जाएगा। जिला सेनानी एवं जिला अग्निशमन अधिकारी नगर सेना ने जिले के नागरिकों से दीपावली पर्व पर अग्नि सुरक्षा उपायों के संबंध में सावधानियां बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि लायसेंस प्राप्त विक्रेताओं से ही पटाखे खरीदें। साथ ही यह सुनिश्चित करें कि आप गुणवत्ता वाले पटाखे खरीद रहे हैं, जो दुर्घटनाओं के जोखिम को कम करने के लिए अनुमोदित हो। इमारती, वाहनों और ज्वलनशील पदार्थों से दूर पार्क, बड़े मैदान जैसे खुले स्थानों में पटाखे जलाएं। पटाखे जलाते समय संभावित आपातकालीन स्थिति के लिए पानी की बाल्टी निकट रखें। आग से संबंधित चोटों के जोखिम को कम करने के लिए सूती वस्त्र पहनने को प्राथमिकता दें, क्योंकि सिंथेटिक कपड़े आसानी से आग पकड़ सकता है। पटाखे जलाते समय बच्चों की निगरानी के लिए हमेशा एक व्यस्क को साथ रखें। पटाखे फोड़ने के बाद इस्तेमाल किये गये पटाखों का पानी की बाल्टी में सुरक्षित तरीके से निपटान करें ताकि किसी बची हुई चिंगारी से अग्नि दुर्घटना न हो। एक बार में एक ही पटाखें जलाएं, आग लगने की आशंका को देखते हुए एक साथ कई पटाखे जलाने से बचें। पटाखें में आग लगाने के बाद उससे सुरक्षित दूरी रखें। पटाखें जलाते समय हमेशा हवा की दिशा को ध्यान में रखें, जिससे उसकी चिंगारी घरों या व्यक्तियों की ओर न उड़े। घर के अंदर, खिड़कियों के पास या अन्य बंद स्थानों पर कभी पटाखे न जलाएं। पटाखे जलाते समय ढीले या लटकने वाले वस्त्र पहनने से बचें क्योंकि वे असानी से आग पकड़ सकता है। ज्वलनशील पदार्थों के पास पटाखों का उपयोग न करें पटाखों को सुखी पत्तियों, गैस सिलेण्डर या वाहनों जैसी वस्तुओं से दूर रखें। यदि कोई पटाखा जलने में विफल रहता है तो उसे पुनः जलाने का प्रयास न करें. अपितु कुछ देर प्रतीक्षा करने के उपरांत उसका सुरक्षित रूप् निपटान करें। पटाखें ऐसे स्थानों में न जलाएं जो आग लगने की स्थिति में आपातकालीन निकास मार्ग को अवरूध कर सकते हैं। तेल के दीयों या मोमबत्तियों को जलते हुए उपेक्षित न छोडें, विशेष रूप से पर्दा या ज्वलनशील पदार्थों के पास।

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर मानसिक स्वास्थ्य एवं सशक्तिकरण पर दिया गया जोर

कोण्डागांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के निर्देशानुसार तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी अवनी कुमार बिसवाल के मार्गदर्शन में स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम स्कूल, खाले मुरवेंड में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर बालिकाओं के मानसिक स्वास्थ्य, सेहत और सशक्तिकरण पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों द्वारा मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के कारण, समाधान और बचाव के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही बताया गया कि घरेलू जीवनशैली, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, योग और ध्यान के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ किया जा सकता है। बच्चों को शिक्षा, खेलकूद और अन्य गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया गया ताकि वे अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी छात्राओं के साथ साझा की गई। बालिकाओं ने अपने मन में उठ रहे प्रश्नों और समस्याओं पर चर्चा की, जिनका समाधान विशेषज्ञों द्वारा किया गया। बालिकाओं के उत्साहवर्धन हेतु 100 मीटर दौड़, कबड्डी, कुर्सी दौड़ और निबंध प्रतियोगिता सहित बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' तथा 'अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस' विषय पर आधारित प्रतियोगिताओं में विजेता बालिकाओं को पुरस्कृत किया गया।

डीएवी किरन्दुल में मैराथन दौड़ प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

किरंदुल। लौहनगरी किरंदुल स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल में डीएवी प्रबंधन समिति नई दिल्ली द्वारा प्रस्तावित मैराथन दौड़ के अंतर्गत कक्षा छठवीं से बारहवीं तक के लगभग 250 छात्र-छात्राओं ने पूरे जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य एस के श्रीवास्तव द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। यह दौड़ विद्यालय परिसर से प्रारंभ होकर पेट्रोल पंप, केंद्रीय विद्यालय, महाप्रबंधक मुख्य कार्यालय, स्टेट बैंक होते हुए लगभग 2 किलोमीटर की दूरी तय की। छात्र-छात्राओं ने पूरे जोश और अनुशासन के साथ इस दौड़ में भाग लिया।कार्यक्रम का उददेश्य विद्यार्थियों में शारीरिक स्वास्थ्य, अनुशासन और खेल भावना को प्रोत्साहित करना था। दौड़ के दौरान शिक्षकों की टीम ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया एवं पुलिस बल के जवानों ने सुरक्षा व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा। गंतव्य तक पहुंचने के बाद विजेता विद्यार्थियों को प्राचार्य के द्वारा पुरस्कृत किया गया जिसमें बालक वर्ग में प्रथम स्थान नागेश मंडावी कक्षा 12वीं, द्वितीय स्थान सांई कृष्णा और तृतीय स्थान दिवाकर बैरागी ने प्राप्त किया।मयंक झाड़ी कक्षा आठवीं और तूलेश्वर ठाकुर कक्षा सातवीं को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। बालिका वर्ग में खुशिका ठाकुर कक्षा सातवीं प्रथम स्थान, देवयानी यादव कक्षा पांचवी द्वितीय स्थान, ममता ओयामी कक्षा छठवीं तृतीय स्थान एवं अपूर्व मंडल कक्षा सातवीं परी हरिजन कक्षा पांचवी को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। प्राचार्य ने अपने उदबोधन में कहा कि ऐसे आयोजन से छात्रों में स्वास्थ्य, सहनशीलता और खेल भावना का विकास होता हैं। कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय के शिक्षक केपी सिन्हा के द्वारा किया गया।

जिले में नए प्रदूषण जांच केंद्र खोलने के लिए अब तक नहीं मिला कोई आवेदन

दंतेवाड़ा। कार्यालय जिला परिवहन अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार, केन्द्रीय मोटर यान नियम 1989 के तहत राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ मोटरयान प्रदूषण जांच केन्द्र योजना 2001 लागू की गई है। इसी क्रम में जिला परिवहन अधिकारी द्वारा पूर्व में डीजल एवं पेट्रोल से संचालित वाहनों के प्रदूषण जांच हेतु नवीन प्रदूषण जांच केंद्र खोलने के संबंध में प्रेस विज्ञप्ति जारी की गई थी। इसके अलावा जारी विज्ञप्ति के बाद भी आज दिनांक तक किसी भी व्यक्ति या संस्था द्वारा नवीन प्रदूषण जांच केन्द्र खोलने के लिए ऑनलाइन आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। परिवहन विभाग ने इच्छुक व्यक्तियों, उद्यमियों एवं संस्थाओं से अपील की है कि वे पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छ वायु की दिशा में योगदान हेतु शीघ्र आवेदन प्रस्तुत करें, ताकि जिले में वाहनों के प्रदूषण की प्रभावी जांच सुनिश्चित की जा सके।

जगदलपुर में छड़ी दिवस पर जागरूकता रैली नेत्रहीन और श्रवण बाधित बच्चे दिखाएंगे हौसला

जगदलपुर। शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ विद्यालय, जगदलपुर द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी 15 अक्टूबर को छड़ी दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर विद्यालय के दृष्टि और श्रवण बाधित दिव्यांग बच्चों द्वारा एक जागरूकता रैली निकाली जाएगी, जो सुबह 11 बजे सिरहासार भवन परिसर से प्रारंभ होकर तिरंगा चैक होते हुए पुनः सिरहासार भवन पर समाप्त होगी। रैली के बाद एक संक्षिप्त सभा का आयोजन होगा, जिसमें विशेष अतिथियों के साथ-साथ विद्यार्थी भी छड़ी दिवस के महत्व पर प्रेरक भाषण प्रस्तुत करेंगे। यह आयोजन न केवल दिव्यांग बच्चों के साहस और प्रतिभा को उजागर करेगा, बल्कि समाज में उनकी स्वतंत्रता और समावेशन के प्रति जागरूकता भी फैलाएगा। सफेद छड़ी, जो नेत्रहीनों के लिए स्वायत्तता का प्रतीक है, इस दिन विशेष रूप से सम्मानित की जाएगी। स्थानीय प्रशासन और विद्यालय प्रबंधन ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। बच्चों की सुरक्षा और उत्साह को ध्यान में रखते हुए समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। सभी निवासियों से अपील की गई है कि वे इस नेक पहल में भाग लेकर दिव्यांग बच्चों का हौसला बढ़ाएं।

दीपावली पर यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए नगर निगम की पहल, चिल्हर विक्रेताओं के लिए हाता ग्राउंड निर्धारित

जगदलपुर। दीपावली पर्व के दौरान शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने और जाम की स्थिति से बचने के लिए जगदलपुर नगर पालिक निगम ने इस वर्ष एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। निगम ने सड़क के बीच रास्तों पर बैठकर सामान बेचने वाले छोटे चिल्हर विक्रेताओं के लिए एक विशेष स्थान निर्धारित किया है। नगर पालिक निगम जगदलपुर द्वारा सभी साधारण चिल्हर विक्रेताओं को सूचित किया गया है कि वे प्रायः सड़क के बीच रास्तों में बैठकर लाई, बताशा, दीया, फल-फूल एवं पर्व से संबंधित सामग्री का विक्रय करते हैं, जिससे शहर की यातायात व्यवस्था अवरुद्ध होती है और जाम की स्थिति निर्मित होती है। इन सभी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष दीपावली पर्व पर लाई, बताशा, दीया, फल-फूल एवं पर्व से संबंधित सामग्री की बिक्री के लिए हाता ग्राउंड का चयन किया गया है। निगम आयुक्त प्रवीण वर्मा ने समस्त चिल्हर विक्रेताओं से अपील की है कि वे इस वर्ष दीपावली पर्व से संबंधित सामग्री का विक्रय केवल निर्धारित स्थान हाता ग्राउंड में ही करें, ताकि नागरिकों को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो और पर्व का उत्साह यातायात जाम के कारण फीका न पड़े। यह कदम शहर की आंतरिक यातायात व्यवस्था, सुगम आवाजाही और सुंदरता दोनों के लिए एक सकारात्मक पहल है।

कस्तूरबा गाँधी छात्रावास माकड़ी मे माकड़ी पुलिस ने चलाया सायबर जागरूकता अभियान

कोण्डागांव। पुलिस अधीक्षक जिला कोण्डागांत वाय. अक्षय कुमार के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव कौशलेन्द्र देव पटेल एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी कोण्डागावरूपेश कुमार के मार्गदर्शन में थाना माकडी पुलिस द्वारा नवीन आपराधिक कानून, महिला अपराध, यातायात नियम, नशामुक्ति एवं विशेष तौर पर सायबर अपराध के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए थाना माकडी क्षेत्र में लगातार जागरूकता अभियान चला रही है। इसी परिपेक्ष्य में 13अक्टूबर को कस्तूरबा गाँधी छात्रावास माकड़ी में निरीक्षक विकास बघेल थाना प्रभारी माकड़ी द्वारा उपस्थित समस्त छात्राओं एवं शिक्षिकाओं को बढ़ते सायबर अपराध के बारे मे अवगत कराकर सायबर फ्रॉड से खुद को बचाने के तरीकों के बारे में विस्तृत जानकारी दिया गया, साथ ही महिला एवं बच्चों से संबंधित अपराध, गुड टच, बेड टच के बारे मे बताया गया व यातायात नियमों का पालन करने, भारत सरकार द्वारा लागू किये गये तीन नये आपराधिक कानूनों के संबंध में एवं नशामुक्ति के तहत नशीली दवाओं के खतरों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देकर जागरूक किया गया है। उपस्थित छात्राओं एवं शिक्षिकाओं को साइबर अपराध के साथ-साथ महिला अपराध, यातायात के नियम, नवीन आपराधिक कानून व नशा मुक्ति के संबंध में दी गई विस्तृत जानकारी।

सुशासन तिहार और 'नियद नेल्लानार' योजना के तहत माताओं-बहनों को मिलेगा उज्ज्वला योजना का लाभ

दंतेवाड़ा। भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत देशभर में 25 लाख नए एलपीजी कनेक्शन स्वीकृत किए गए हैं। इसी क्रम में दंतेवाड़ा जिले में सुशासन तिहार और 'नियद नेल्लानार' योजना के तहत पात्र माताओं-बहनों को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का लाभ प्रदान किया जाएगा। इस निर्णय से जिले की हजारों माताओं-बहनों के जीवन में स्वच्छ ऊर्जा, स्वास्थ्य सुरक्षा और सामाजिक सशक्तिकरण का नया उजाला फैलेगा। उज्ज्वला योजना के माध्यम से महिलाओं को रसोई के धुएं से मुक्ति और स्वच्छ रसोई का वातावरण मिलेगा। पात्र हितग्राही योजना का लाभ लेने हेतु 31 अक्टूबर 2025 तक अपने-अपने ग्राम पंचायत या नगरीय निकाय के सचिव, सरपंच, पार्षद अथवा निकटस्थ गैस एजेंसी में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। आवेदन प्राप्त होने के बाद गैस एजेंसी द्वारा पात्र हितग्राहियों का परीक्षण कर बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण (ई-केवाईसी) के माध्यम से उज्ज्वला गैस कनेक्शन प्रदान किया जाएगा। इसके पात्रता सभी प्रकार के राशन कार्डधारी परिवार इस योजना के लिए पात्र होंगे।इसके अपात्रता समस्त एपीएल राशन कार्डधारी परिवार, आयकरदाता परिवार, शासकीय कर्मचारी परिवार, जिन परिवारों को पूर्व में सामान्य या उज्ज्वला गैस कनेक्शन जारी किया जा चुका है, 30 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रफल के मकान के स्वामी परिवार, तीन या चार पहिया वाहन स्वामी तथा 2.5 एकड़ से अधिक सिंचित भूमि एवं सिंचाई उपकरण वाले परिवार इस योजना से वंचित रहेंगे। इसके अलावा आवश्यक दस्तावेज बीपीएल राशन कार्ड, परिवार के 18 वर्ष से अधिक उम्र के सदस्यों का आधार कार्ड, महिला मुखिया का बैंक पासबुक। प्रधानमंत्री उज्जवला योजना से जिले में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलेगा व आने वाले वर्षों में पुरे समाज के विकास का आधार बनेगा।

संघ की शताब्दी बेला पर सनातन संस्कृति, संगठन की शक्ति और मातृभूमि के प्रति अटूट निष्ठा का लौहनगरी में हुआ विराट दर्शन

किरंदुल। क्षेत्र की आराध्या माँ दंतेश्वरी के आशीष से अपने उच्च गुणवत्तायुक्त लौह अयस्क के लिए विश्व विख्यात लौहनगरी किरंदुल की पावन धरा पर संघ की स्थापना की शताब्दी वर्षगांठ के सुअवसर पर आयोजित विजयादशमी उत्सव में ज़ब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनुशासन, मर्यादा और राष्ट्रभाव से ओत-प्रोत स्वयंसेवक नगर के मुख्य मार्गो से गुजर रहे थे, तब वातावरण में एक अदभुत ऊर्जा, अनुपम उल्लास की दिव्य अनुभूति हो रही थी। नगरपरिवार के गणमान्य एवं मातृशक्तियों द्वारा जगह-जगह पर की गई पुष्पवर्षा ने इस ऐतिहासिक अवसर को और भी गरिमामयी बना दिया, जिसकी अमिट छाप पीढ़ियों तक परिलक्षित होगी। यह वह अनुपम क्षण था ज़ब हृदय अनंत गहराईयों तक अभिभूत हो उठा, मानो समस्त नगर एकता, समर्पण और राष्ट्रप्रेम के अदभुत सूत्र में पिरो लिया गया हो। संघ की शताब्दी वर्षगांठ के सुअवसर पर आयोजित स्वयंसेवकों के पथ संचलन का शुभारम्भ बंगाली कैम्प के दुर्गा मंडप से किया गया। नगर के विविध मार्गो से होते हुए इसका समापन श्री राघव मंदिर बैलाडीला देवस्थान परिसर में हुआ। दक्षिण बस्तर विभाग कार्यवाह महेन्द्र नायक मुख्य वक्ता द्वारा दिये गए ओजस्वी व्यक्तव्य में स्वदेशी अपनाने, जैविक कृषि पर जोर देने तथा शक्ति के महत्व पर सारगर्भित उदबोधन देते हुए व्यक्ति एवं संगठन को अधिकाधिक शक्तिशाली बनाने सतत प्रयत्नशील रहने कहा गया। आपदा के समय संघ एवं संघ के समस्त आनुसांगिक संगठनों की कार्यशैली तथा स्वहित के बजाए सदैव ही राष्ट्रहित सर्वोपरि के सिद्धांतों के अनुरूप कार्यों की सविस्तार व्याख्या की गई। जहाँ अन्य श्रमिक संगठन चाहे जो मजबूरी हो मांग हमारी पूरी हो÷ के विचारों पर कार्य करते हैं, वहीं आरएसएस का मजदूर संगठन भारतीय मजदूर संघ सदैव ही राष्ट्रहित सर्वोपरि के सिद्धातों के अनुरूप राष्ट्रहित-उद्योगहित-श्रमिक हित के विचारों के अनुरूप कार्य करने वाली ट्रेड यूनियन है। मुख्य अतिथि की आसन्दी पर वरिष्ठ समाजसेवी तुलसी राम नेताम, नगर संघ चालक रामकृष्ण बैरागी थे। संघ के नगर कार्यवाह मोहित देशमुख द्वारा जानकारी दी गई की कार्यक्रम की सफलता में समस्त स्वयंसेवकों, नगरपरिवार, मातृशक्तियों का अतुलनीय योगदान रहा।

प्रदेश में रेत खदानों का आबंटन अब ई-नीलामी प्रणाली से होगा, बस्तर संभाग में 16 अक्टूबर को प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

दंतेवाड़ा। राज्य शासन के भू-विज्ञान एवं खनिज विभाग द्वारा प्रदेश में गौण खनिज साधारण रेत खदानों का आबंटन अब ई-नीलामी (रिवर्स ऑक्शन) प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए एमएसटीसी (एमएसटीसी) पोर्टल का उपयोग किया जाएगा, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, प्रतिस्पर्धी और तकनीकी रूप से सशक्त बनेगी। ई-नीलामी प्रक्रिया से संबंधित सभी कार्यवाही जैसे निविदा जारी करना, इच्छुक बोलीकर्ताओं का पंजीयन, ऑनलाइन बोली लगाना, तकनीकी अहर्ता प्राप्त बोलीकर्ताओं का चयन, लॉटरी प्रक्रिया तथा अधिमानी बोलीदार का चयन कृ पूरी तरह ऑनलाइन माध्यम से की जाएगी। इस तकनीकी प्रणाली से नीलामी प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी और मानवीय त्रुटि या पक्षपात की संभावना समाप्त होगी। भू-विज्ञान एवं खनिज विभाग द्वारा ई नीलामी प्रणाली के संचालन को सुचारू बनाने हेतु संभागवार प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। बस्तर संभाग के लिए यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 16 अक्टूबर 2025 को शहीद वीर गुंडाधुर कृषि महाविद्यालय, कुमरावंड के सभागार मंय दोपहर 2 बजे से सायं 5 बजे तक आयोजित किया जाएगा। इस प्रशिक्षण में एमएसटीसी के विशेषज्ञ अधिकारी पोर्टल पर पंजीकरण से लेकर बोली प्रक्रिया तक की विस्तृत जानकारी देंगे। खनिज विभाग ने सभी जिलाधिकारियों, खनिज अधिकारियों, तकनीकी सहायकों और इच्छुक बोलीकर्ताओं से समय पर प्रशिक्षण सत्र में उपस्थित होकर पोर्टल की कार्यप्रणाली की जानकारी प्राप्त करने का आग्रह किया है, ताकि आगामी रेत खदानों की ई नीलामी प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न की जा सके।

संक्षिप्त समाचार

आंगनबाड़ी सहायिका भर्ती प्रक्रिया, दावा-आपत्ति 24 तक

बिलासपुर। एकीकृत बाल विकास परियोजना तखतपुर अंतर्गत वार्ड क्रमांक 7 में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र 7-1 में आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पद की पूर्ति हेतु आवेदन मंगाए गए थे। प्राप्त आवेदनों की जांच कर अनंतिम सूची जारी कर दी गई है। जिसका अवलोकन एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय तखतपुर, नगर पालिका परिषद तखतपुर, आंगनबाड़ी केंद्र 7-1 में किया जा सकता है। जारी सूची के संबंध में दावा-आपत्ति 24 अक्टूबर तक प्रस्तुत किये जा सकते है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत अब तक 5969 आवेदन

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, बिलासपुर क्षेत्र के अंतर्गत प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत अब तक 5 हजार 969 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से 930 उपभोक्ताओं के यहां सोलर प्लांट स्थापित किए जा चुके हैं, जबकि 628 उपभोक्ताओं को उनकी सब्सिडी की राशि का भुगतान शासन द्वारा कर दिया गया है। योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए क्षेत्र के विभिन्न कार्यालयों में कार्यशालाएं और शिविरों का आयोजन लगातार किया जा रहा है। कार्यपालक निदेशक श्री ए. के. अम्बस्थ ने योजना के सफल और त्वरित क्रियान्वयन हेतु अधीक्षण अभियंताओं, कार्यपालन अभियंताओं एवं सोलर वेंडरों को निर्देशित किया है कि वे सम्मिलित प्रयासों से लक्ष्य की पूर्ति सुनिश्चित करें। उन्होंने विशेष रूप से उन उपभोक्ताओं को प्रोत्साहित करने पर बल दिया है, जिन्होंने पूर्व में पंजीयन कराया है, ताकि शीघ्र सोलर प्लांट स्थापना का कार्य पूरा हो सके। श्री अम्बस्ट ने बताया कि बिलासपुर रीजन में प्राप्त 5969 आवेदनों में से कोरबा वृत्त के 1395, बिलासपुर नगर वृत्त के 1526 तथा बिलासपुर (संचा./संधा.) वृत्त के 3048 उपभोक्ता सम्मिलित हैं। इनमें से 930 उपभोक्ताओं के घरों में सोलर प्लांट स्थापित किए जा चुके हैं और 628 उपभोक्ता शासन की सब्सिडी का लाभ प्राप्त कर चुके हैं। सोलर प्लांट स्थापना के सकारात्मक परिणाम भी सामने आने लगे हैं। बिलासपुर रीजन के 21 उपभोक्ताओं के बिजली बिल अब जीरो बिल में परिवर्तित हो गए हैं, जिससे योजना की सफलता और उपयोगिता स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है।

पक्के घर की पहली दिवाली, दुलारी ने कहा, अब डर नहीं केवल रोशनी है

बिलासपुर। कभी बारिश की बूंदों से टपकती छत और मिट्टी की दीवारों के बीच जीवन गुज़ार रही धुरीपारा मंगला की दुलारी के जीवन में एक बड़ी खुशहाली आई है ,प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उनका पक्का आशियाना बना है, इस बार वे पहली बार अपने पक्के घर में दिवाली मनाएंगी इससे उनके त्यौहार का उत्साह दुगुना हो गया है। योजना के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार जताया है। धुरीपारा मंगला की दुलारी अपने परिवार के साथ वर्षों से एक कच्चे घर में रह रही थीं। बरसात के दिनों में घर में पानी भर जाता था और दीवारों पर नमी से रहना मुश्किल हो जाता था। आमदनी इतनी नहीं थी कि पक्का घर बनवा सकें ऐसे में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत उन्हें सरकारी सहायता मिली, पति स्वयं राज मिस्त्री हैं उन्होंने स्वयं अपना मजबूत घर बना लिया है। उनका नया घर न केवल सुरक्षा का प्रतीक है बल्कि आत्मनिर्भरता का भी, इस बार वे पहली बार अपने पक्के घर में दिवाली मनाएंगी ये उनके लिए बड़ी खुशी है। दुलारी खुश होकर बताते हैं कि अब बच्चों के लिए एक अलग कमरा है, रसोई साफ-सुथरी है और बरसात का डर खत्म हो गया है। घर में बिजली, पानी और शौचालय की सुविधा ने उनके जीवन को आसान बना दिया है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी से कई गरीब परिवारों को लाभ मिला है, जिससे उन्हें कच्चे घर की मुश्किलों से निजात मिली है।

अंबिकापुर विधानसभा स्तरीय सम्मेलन में उद्यमियों एवं कामगारों का हुआ सम्मान

वोकल फॉर लोकल ही आत्मनिर्भर भारत की नींव-चंदूलाल

अंबिकापुर। आज संकल्प भवन भाजपा कार्यालय में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत अंबिकापुर विधानसभा स्तरीय सम्मेलन का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राज्य भंडार गृह निगम छत्तीसगढ़ शासन के अध्यक्ष चंदूलाल साहू एवं सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में महापौर मंजूषा भगत तथा जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह सम्मिलित हुईं। सम्मेलन में वोकल फॉर लोकल से जुड़े महिला-पुरुष उद्यमियों, व्यवसायियों और कामगारों को शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। मुख्य वक्ता चंदूलाल साहू ने अपने संबोधन में कहा कि हम अमृतकाल में प्रवेश कर चुके हैं। यह समय हमें आत्मनिर्भर बनने का संदेश देता है। वर्षों तक सत्ता में रही कांग्रेस ने देश को केवल सत्ता की राजनीति तक सीमित रखा, लेकिन स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में कभी ईमानदार प्रयास नहीं किया। स्वदेशी का अर्थ है अपनी अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना। हमें अपने विरासत पर गर्व होना चाहिए, क्योंकि स्वदेशी ही रामराज्य की नींव है। मोदी जी के नेतृत्व में 2047 तक आत्मनिर्भर भारत का सपना अवश्य साकार होगा। सम्मेलन में विधायक रामकुमार टोप्पो ने कहा मोदी सरकार ने महिलाओं की भागीदारी हर क्षेत्र में बढ़ाई है। अब हमारा संकल्प चौमुखी विकास की ओर बढ़ना है। जब हम सब मिलकर स्वदेशी उत्पादों को अपनाएंगे, तभी भारत पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर बनेगा। लोह पुरुष सरदार सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती अभियान के प्रदेश सदस्य अंबिकेश केसरी ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि कोरोना काल में प्रधानमंत्री मोदी जी ने स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का जो आह्वान किया, उसने देश की दिशा बदल दी। जापान की तरह

भारत भी अब स्वदेशी के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है और आत्मनिर्भर भारत बनने की ओर अग्रसर है। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री विनोद हर्ष ने किया तथा महामंत्री अरुणा सिंह ने आभार व्यक्त किया। तथा प्रस्तावना उद्बोधन जिला उपाध्यक्ष विकास पांडेय ने दिया । कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पूर्व जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी , त्रिलोक कपूर कुशवाहा, देव नारायण यादव, विकास पांडेय, मधु चौधहा, दिनेश सिंह, निश्चल प्रताप सिंह, अंकित जायसवाल, संतोष दास, रूपेश दुबे, निलेश सिंह, गोल्डी बिहाड़े, आकाश गुप्ता, मनोज गुप्ता, मनीष सिंह, अजय प्रताप सिंह, आकाश जायसवाल, राजकुमार बंसल, चंद्रिका यादव, रज्जु राम, धनंजय मिश्रा, विकास वर्मा, जतिन परमार, मनोज कंसारी, पूरन टेकाम, राजेंद्र जायसवाल, विद्यानंद मिश्रा, विजय व्यापारी, निरंजन राय, नकुल सोनकर, मयंक जायसवाल, रवि जायसवाल, प्रियंका चौबे, सरिता जायसवाल, प्रभात खलखो, शशिकांत जायसवाल, सकुंतला पांडेय, ममता तिवारी, शालिनी सिंह, विवेक सिंह, आलोक दुबे, अजय सोनी, धनराम नागेश, राजबहादुर शास्त्री, अभिषेक प्रताप सिंह, शरद सिन्हा, विवेक सिंह सेंगर, दिनेश बारी, कमलेश तिवारी, सोनू तिग्गा, नीलम राजवाड़े, रोचक गुप्ता, अखंड विधायक सिंह, प्रबोध सिंह, इंदु गुप्ता, रजनी बिंद, अर्चना सिंह, इंदु नेताम, सरिता जायसवाल, ममता तिवारी, बबली नेताम, प्रिया सिंह, कमला सिंह, नंदिनी, अंजू, नंद किशोर, कमलेश जायसवाल, सत्यम साहू सहित महामाया मंडल क्षेत्र के बड़ी संख्या में व्यवसायी और कामगार उपस्थित रहे।

छात्रवृत्ति तिथि बढ़ाने की मांग पर आजाद सेवा संघ ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन........

- बी.पी.एल. विद्यार्थियों के भविष्य पर संकट; अंतिम तिथि पर सूचना विलंब का गंभीर आरोप

अंबिकापुर। राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अंबिकापुर (छ.ग.) में अध्ययनरत बी.पी.एल. (गरीबी रेखा से नीचे) श्रेणी के सैकड़ों छात्र-छात्राओं के हित को ध्यान में रखते हुए, आजाद सेवा संघ ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। संघ के प्रदेश सचिव, रचित मिश्रा, ने आज जिला कलेक्टर, सरगुजा को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा है। यह ज्ञापन उच्च शिक्षा विभाग, रायपुर (छत्तीसगढ़) की आयुक्त महोदया को संबोधित है, जिसमें बी.पी.एल. छात्रवृत्ति हेतु आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि को तत्काल बढ़ाने का आग्रह किया गया है। महाविद्यालय प्रशासन की लापरवाही से उत्पन्न हुआ संकट ज्ञापन के माध्यम से यह गंभीर आरोप लगाया गया है कि छात्रवृत्ति आवेदन से वंचित रहने की स्थिति महाविद्यालय प्रशासन की लापरवाही के कारण उत्पन्न हुई है। छात्रवृत्ति आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2025 निर्धारित की गई थी, लेकिन महाविद्यालय द्वारा इस संबंध में सूचना विद्यार्थियों को समय पर और प्रभावी ढंग से उपलब्ध नहीं कराई जा सकी। मिश्रा ने प्रेस को बताया, छात्र-छात्राओं को अंतिम समय में सूचना प्राप्त हुई, जिसके कारण अधिकांश पात्र विद्यार्थी निर्धारित तिथि तक ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत नहीं कर पाए। यह एक ऐसा मुद्दा है जो सीधे तौर पर गरीब और जरूरतमंद विद्यार्थियों के भविष्य और उनकी उच्च शिक्षा को प्रभावित कर रहा है। आजाद सेवा संघ ने अपने ज्ञापन में इस बात पर विशेष बल दिया है कि यह समस्या कोई नई नहीं है। पूर्व वर्ष में भी इसी प्रकार की स्थिति उत्पन्न हुई थी।

शासकीय जिला ग्रंथालय के नवीन भवन में अध्ययन प्रारंभ

- प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को मिलेगा अध्ययन हेतु बेहतर शैक्षणिक वातावरण

अम्बिकापुर। जिले के विद्यार्थियों के लिए आज का दिन ऐतिहासिक रहा। शासकीय जिला ग्रंथालय, अम्बिकापुर के नवीन भवन का शुभारंभ आज पीएससी, व्यापंम सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के हाथों किया गया। डीएमएफ मद से महज छह माह की अल्प अवधि में तैयार हुए इस आधुनिक भवन के प्रारंभ होने से विद्यार्थियों को अब बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध होगा। नवीन भवन में छात्रों के अध्ययन के लिए फ्री वाई-फाई सुविधा, नवीन पुस्तकों का संकलन, रोशनीदार अध्ययन कक्ष, स्वच्छ शौचालय, पेयजल एवं शांत अध्ययन वातावरण जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने अपने संबोधन में कहा कि पढ़ाई के लिए केवल टेबल, रौशनी और पुस्तकों की आवश्यकता होती है। अब यह सब आपको इस नवीन भवन में उपलब्ध है। आगे बढ़ना है तो अपनी मेहनत और लगन को अपना सबसे बड़ा साथी बनाइए। आत्मविश्वास के साथ पढ़िए और लगे रहिए जब तक मुकाम न मिले। वहीं जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि जब हम प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते थे।

रामानुजगंज में मछली पकड़ते समय युवक एनीकट में बहा

रामानुजगंज। नगर के वार्ड क्रमांक 14 निवासी एक युवक काशी भुइंया, उम्र 25 वर्ष, आज दोपहर करीब 3:30 बजे मछली पकड़ते समय एनीकट में बह गया। समाचार लिखे जाने तक युवक का कोई सुराग नहीं लग सका है, प्रशासन और स्थानीय लोग मिलकर उसकी तलाश में जुटे हुए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, काशी भुइंया पिता बैजनाथ भुइंया दोपहर के समय मच्छरदानी से मछली पकड़ने का जुगाड़ बनाकर एनीकट के पहले गेट पर बैठकर मछली मार रहा था। इसी दौरान उसका पैर फिसल गया, और वह संतुलन खो बैठा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवक ने स्वयं को बचाने का काफी प्रयास किया, लेकिन तेज बहाव के चलते वह बहने लगा। स्थानीय लोगों ने बताया कि युवक को लगभग 100 मीटर तक पानी में बहते देखा गया, जिसके बाद वह नज़रों से ओझल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण व स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। साथ ही पुलिस को भी सूचना दी गई, जिसके बाद तलाशी अभियान शुरू किया गया। फिलहाल पुलिस और गोताखोरों की मदद से युवक की तलाश की जा रही है, लेकिन समाचार लिखे जाने तक उसका कुछ भी पता नहीं चल सका है। घटनास्थल पर मौजूद लोगों में गहरी चिंता और शोक का माहौल है। यह हादसा एनीकट क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्थाओं पर भी सवाल खड़े करता है, जहां सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम नहीं दिखते। परिजन युवक की सकुशल वापसी की प्रार्थना कर रहे हैं, वहीं प्रशासन द्वारा सर्च ऑपरेशन तेज करने की मांग की जा रही है। संभावना जताई जा रही है।

विद्युत विभाग के अधिकारियों के लापरवाही से मेंटेनेंस का कार्य कर रहे ठेका कर्मी युवक की हुई मौत दो युवक हुए घायल उपचार जारी...

लखनपुर। लखनपुर में विद्युत विभाग के अधिकारियों के लापरवाही के कारण एक युवक ने अपनी जान गवा दी है। ग्राम जजगा में मेंटेनेंस का कार्य करने के दौरान 33000 केवी विद्युत प्रवाहित तार की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई है वहीं दो अन्य युवक घायल हो गए हैं। जिनका उपचार अंबिकापुर जिला अस्पताल में जारी है। मिली जानकारी के मुताबिक ठेका कर्मी तुलेश्वर ठाकुर पिता बलभद्र सिंह ठाकुर उम्र लगभग 30 वर्ष लखनपुर निवासी सफीर एक्का पिता कोलू राम सीतापुर सतनारायण सिंह पिता धीर साय उम्र 31 वर्ष ग्राम आमदला निवासी के साथ 33000 केवी मेंटेनेंस का कार्य किया जा रहा था इसी दौरान उदयपुर सलका के 132 केवी स्टेशन फीडर से आए 33000 केवी विद्युत प्रवाहित तार की चपेट में आने से तुलेश्वर ठाकुर, सफीर एक्का और सतनारायण सिंह घायल हो गए। जिन्हें उपचार हेतु लखनपुर अस्पताल ले गया जहां डॉक्टरों ने जांच उपरांत तुलेश्वर ठाकुर को मृत घोषित किया वहीं परिजनों को संतुष्टि नहीं होने पर अंबिकापुर ले जाया गया जहां तुलेश्वर ठाकुर को मिशन

अस्पताल भर्ती कराया गया जहां डॉक्टर ने उसे जांच उपरांत मृत घोषित किया है। वही सफीर एक्का और सत्यनारायण सिंह का उपचार मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर में जारी है। आगामी दीपावली और छठ त्यौहार के मध्य नजर छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के द्वारा मेंटेनेंस का कार्य किया जा रहा था जिसके लिए बागड़ विद्युत विभाग के द्वारा विज्ञापन जारी किया गया था। सूत्रों की माने तो लखनपुर जेई सचिन कुजूर के द्वारा बिना किसी पूर्व सूचना के 33000 कवि का मेंटेनेंस कार्य बिना सुरक्षा के ठेका कर्मियों से कराया जा रहा था विभाग के अधिकारी के लापरवाही के कारण मेंटेनेंस का कार्य करने के दौरान करंट की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई है दो अन्य युवा घायल हो गए जिनका उपचार मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में जारी है। अब देखने वाली बात होगी कि इस मामले को लेकर किस प्रकार की कार्रवाई विभाग के आला अधिकारियों के द्वारा की जाती है। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के विज्ञापन के अनुसार 14 अक्टूबर को निकलने वाले ग्राम तुरना फीडर के , बैलखरिखा ,परी अमल भी, मुकुंदपुर , ईरगवा,एवं अन्य ग्राम 33/11 निम्हा फीडर से निकलने वाले ग्राम खुटिया, पथरी, महंगाई व अन्य ग्रामों में मेंटेनेंस का कार्य होना था। परंतु इन सब नियमों को तक पर रखकर विद्युत विभाग के के के द्वारा बिना किसी सुरक्षा के ठेका कर्मियों से 33000 केवी का मेंटेनेंस कार्य कराया जा रहा था जो की जांच का विषय है। इस संबंध में लखनपुर के सचिन कुजूर से फोन कर संपर्क करना चाहा परंतु उनके द्वारा फोन रिसीव नहीं किया गया

मोंटफ़ोर्ट स्कूल अंबिकापुर में सरगुजा पुलिस द्वारा साइबर जागरूकता कार्यक्रम का किया आयोजन

- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा के दिशा निर्देशन मे साइबर सेल पुलिस टीम द्वारा जागरूकता माह अंतर्गत कार्यक्रम का किया गया आयोजन

अंबिकापुर। बढ़ते साइबर अपराधों से विद्यार्थियों को जागरूक करने एवं डिजिटल सुरक्षा के प्रति सजगता बढ़ाने हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री राजेश कुमार अग्रवाल (भा.पु.से.) के दिशा निर्देशन मे साइबर सेल पुलिस टीम द्वारा मोंटफ़ोर्ट स्कूल अंबिकापुर में साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को ऑनलाइन ठगी, हनीट्रैप, फेक प्रोफाइल, ओटीपी शेयरिंग, गेमिंग ऐप्स, सोशल मीडिया दुरुपयोग, महिला सुरक्षा तथा डेटा प्रोटेक्शन से संबंधित विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। उक्त कार्यक्रम सरगुजा पुलिस द्वारा निरंतर जन-जागरूकता के तहत आयोजित किये जा रहे है, ताकि कोई भी नागरिक साइबर अपराधियों का शिकार न बने। कार्यक्रम में साइबर सेल एक्सपर्ट प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान् ने विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा से संबंधित व्यवहारिक उदाहरणों के साथ छात्रों को बताया कि किसी भी प्रकार के ऑनलाइन अपराध की शिकायत 1930 हेल्पलाइन नंबर या 222.ष्ड्डद्बह्यष्द्गह्म्द्बद्वद्ग.द्दश1.द्बठ्ठ पोर्टल के माध्यम से की जा सकती है। उन्होंने संचार साथी पोर्टल के बारे में भी बताया, जिससे चोरी या गुम मोबाइल की शिकायत

आसानी से दर्ज की जा सकती है। साथ ही अभिव्यक्ति ऐप एवं 181 महिला हेल्पलाइन की जानकारी देते हुए कहा कि यह एप्लीकेशन महिलाओं की सुरक्षा और त्वरित सहायता के लिए तैयार किया गया है। उन्होंने छात्र छात्राओं को समझाया कि किसी भी अनजान व्यक्ति से प्राप्त लिंक, ओटीपी या कॉल पर भरोसा न करें और हमेशा सोशल मीडिया पर अपने डाटा को सुरक्षित रखें। साइबर अपराध के सामान्य रूप जैसेङ्क बैंकिंग फ्रॉड, फेक कॉल, ऑनलाइन गेमिंग के बारे मे बताकर जागरूक किया गया, कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे और साइबर अपराधों से बचने के उपायों के प्रति रुचि दिखाई। साइबर सेल एक्सपर्ट ने छात्र छात्राओं से आग्रह किया कि वे इस जागरूकता को अपने परिवार एवं समाज तक पहुँचाएँ, छात्र छात्राओं को मौक़े पर यातायात सम्बन्धी जानकारी देकर यातायात के नियमो का पालन करने हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान साइबर सेल पुलिस टीम एवं मोंटफ़ोर्ट स्कूल के प्राचार्य ब्रदर एस. गब्रीयल, शिक्षक नितिन कर्ष, प्रांजल सिन्हा ,बरखा गोस्वामी, ममता तिवारी, संगीता पाण्डेय, सिस्टर निशा रानी, सिस्टर रीना एवं 2000 की संख्या मे छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

आरटीआई कार्यकर्ता विकास गर्ग ने पार्षद दिनेश साहू पर गाली गलौज व मारपीट का लगाया आरोप रिपोर्ट दर्ज कराने थाने में दिया आवेदन

लखनपुर। नगर पंचायत कार्यालय में सूचना का अधिकार आवेदन लगाने पहुंचे आवेदक विकास गर्ग के आवेदन को सीएमओ ने अस्वीकार किया तथा नगर पंचायत अध्यक्ष पति व पार्षद दिनेश साहू के द्वारा आवेदक विकास गर्ग के साथ गाली गलौज कर मारपीट करने का आरोप लग रहा है। आरटीआई कार्यकर्ता विकास गर्ग ने नगर पंचायत कार्यालय के सीसीटीवी फुटेज जांच कराने की मांग करते हुए गाली गलौज व मारपीट के मामले में नगर पंचायत अध्यक्ष पति व पार्षद दिनेश साहू के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने थाने में आवेदन दिया गया है। आरटीआई कार्यकर्ता विकास गर्ग का आरोप है कि

सामाजिक विषयों पर कुछ जानकारी लेने बाबत आरटीआई आवेदन कार्यालय में दिए गए थे आवेदन के संबंध में अपील आवेदन प्रस्तुत करने हेतु 13 अक्टूबर दिन सोमवार की दोपहर नगर पंचायत कार्यालय गया हुआ था मुख्य नगर पालिका अधिकारी विद्यासागर चौधरी ने आवेदन स्वीकार नहीं किया गया। आवेदक का आरोप है कि आवेदक मोबाइल से अपने अधिवक्ता से बात कर रहा था।

वैरीकोज वेन्स से रहें सावधान

हमारे पैरों की नसों में जब भयंकर दर्द होता है अथवा एड़ियों और पिडलियों में जोर का दर्द होने लगता है इसे वैरीकोज वेन्स कहते हैं। यह बीमारी जल्दी ठीक नहीं होती। अगर आप इन समस्याओं से परेशान हैं तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लेकर उपचार करा सकते हैं।

जब त्वचा की सतह के नीचे की नसें क्षतिग्रस्त होकर उसमें सूजन और बहुत ज्यादा खून भरता है, तब उसे अपस्फित नसें कहते हैं। नसें ऐसी रक्त वाहिका है, जो दिल में खून वापस ले जाती हैं। धमनियां रक्त को दिल से दूर शरीर के बाकी हिस्सों में पहुंचाती हैं।

अपस्फित नसें सबसे अधिक पैरों में होती हैं। 50 फीसदी मामलों में ये हालत वंशानुगत होती हैं। अन्य मामलों में गर्भावस्था में रक्त के दबाव में परिवर्तन या मोटापे से संबंधित होकर यह खून को दिल में वापस प्रवाहित करने में रुकावट लाती हैं और नसों में खून के रुकने की प्रवृत्ति बढ़ती है। इससे बीमारी तेजी से बढ़ती जाती है।

नसों में खून की रुकावट

इसके अलावा लगातार कई घंटों तक खड़े रहने से भी यह समस्या उत्पन्न होती है। जैसे नौकरानी, वेटर, नर्सों, युवा बच्चों के साथ माताओं के नसों को ज्यादा समय तक गुरुत्वाकर्षण के खिलाफ काम करने को मजबूर किया जाता है, जिससे दबाव संबंधित शिरा और वाल्व क्षति का खतरा बढ़ सकता है। इलास्टिक बंध और घुटने तक ऊंचे मोजों से भी अपस्फित नसों का खतरा बढ़ सकता है। यदि उसका तंग इलास्टिक पैरों के रक्त प्रवाह को धीमा करते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में 15 फीसदी वयस्कों में अपस्फित नसें होती हैं और ये पुरुषों की तुलना में 2 से 3 गुना अधिक महिलाओं में पाई जाती ह ै ।

हालांकि अपस्फित नसों को अक्सर पैरों में देखा जाता है। वे गर्भावस्था के दौरान या बवासीर के रूप में गुदा के आसपास भी हो सकती हैं। अपस्फित नसें पहले से रक्त के थक्के एक या दोनों पैरों की गहरी नसों में क्षति के साथ जुड़ा हो सकता है। जब हम ज्यादा देर तक काम करते रहते हैं तो भी नसों पर दबाव पड़ता है। जब ऐसा होता है, तब नसें प्रभावी ढंग से रक्त को दिल में वापस स्थानांतरित करने की क्षमता खो देती हैं। जिसके कारण पैर में सूजन और त्वचा पर घाव हो सकते हैं।

बीमारी की संभावित अवधि

अपस्फीत नसें एक दीर्घकालिक समस्या है, लेकिन लक्षण आते और जाते रह सकते हैं। यदि आप गर्भवती हैं और अपस्फीत नसों के कारण गंभीर समस्याओं का सामना कर रहे हैं, तो प्रसव के बाद के लक्षणों में सुधार होगा। हालांकि, ये शायद पूरी तरह से ठीक नहीं होगी और आप भविष्य के गर्भधारण के दौरान लक्षण वापस आ सकते हैं।

वैरीकोज वेन्स का पूर्वानुमान

अपस्फीत नसें एक दीर्घकालिक समस्या है, लेकिन उनके लक्षण अक्सर पैर को ऊपर उठाकर रखकर और उपचारात्मक मोजे के साथ नियंत्रित किया जा सकता है। सर्जिकल प्रक्रियाओं से अपस्फीत नसों को स्थायी रूप से हटा सकते हैं, लेकिन वे निशान छोड़ जाते हैं और नए अपस्फीत नसों को बनाने से रोक नहीं सकते हैं।

चिकित्सा

अपस्फीत नसों के हल्के लक्षणों पर ज्यादातर लोगों पर किए जाने वाले उपचारों में शामिल हैं-

- पैर को दिन में कई बार ऊपर उठाने से
- योग्य दबाव के मोजे पहनें
- त्वचा के करीब की अपस्फीत नसों के लिए त्वचा विशेषज्ञ सेलेरोथेरेपी का स ु झ ा व देंगे। जिसमें एक बेचैन करने वाला रसायन का इंजेक्शन प्रभावित नस में देंगे, जिससे नस क्षतिग्रस्त होकर बंद होगी। सेलेरोथेरेपी से इलाज की गई नस का बहुत ज्यादा टूटने का खतरा हो सकता है, जिससे त्वचा अल्सर हो सकता है।
- नसों में गंभीर रुकावट के साथ लोगों में विशेष रूप से घनास्त्रता या त्वचा अल्सर की बार-बार समस्या से लोगों को नसों को अनावृत्त या बाधंने की प्रक्रिया आवश्यक हो सकती है। इस सर्जरी में असामान्य नस को बांधकर और त्वचा में छोटी कटौती से शरीर से बाहर खींच लिया जाता है। दूसरी प्रकार की एक सर्जरी जिसको एंबुलेटरी फ्लेबेक्टॉमी कहते हैं, इसमें भी त्वचा पर छोटे चीरों के माध्यम से नसों को हटाते हैं, लेकिन यह कम आक्रामक है, पुरानी अनावृत्त और बांधने की प्रक्रिया से।

वैरीकोज वेन्स का निदान

आपके डॉक्टर आपके लक्षण और अपस्फित नसों के परिवार में इतिहास के बारे में पूछेंगे या वह आपकी जीवन शैली, विशेष रूप आप कितने समय खड़े रहते हैं, ये पूछेंगे। महिलाओं में चिकित्सक गर्भावस्था के इतिहास और मोजे या स्टॉकिंग्स पहनने पर इलास्टिक से पैर पर जकड़न के बारे में पूछेंगे। डॉक्टर एक सरल शारीरिक परीक्षा के साथ अपस्फीत नसों का निदान कर सकते हैं।

डॉक्टर को कब संपर्क करें

अपने चिकित्सक को फोन करें, जब भी आप को दर्द, सूजन, त्वचा अल्सर या पैर के किसी क्षेत्र में अस्पष्टीकृत संवेदना लगे तो आप डॉक्टर से संपर्क कर सकते हैं। एक नई सूजन विशेष रूप से सिर्फ एक पैर में, खून के थक्के के कारण जिस पर तत्काल उपचार की आवश्यकता है। यदि आपको अपस्फित नसें हैं, तो डॉक्टर को तुरंत फोन करें। अगर अपस्फित नस के पास एक अल्सर या दर्दनाक काले और नीले क्षेत्र विकसित है। यदि आपने एक अपस्फित नस की त्वचा को काटा है और आपको खून के बहाव को नियंत्रित करने में मुश्किल हो रही है तो आप डॉक्टर के पास जाकर इलाज करा सकते हैं।

रोग के लक्षण

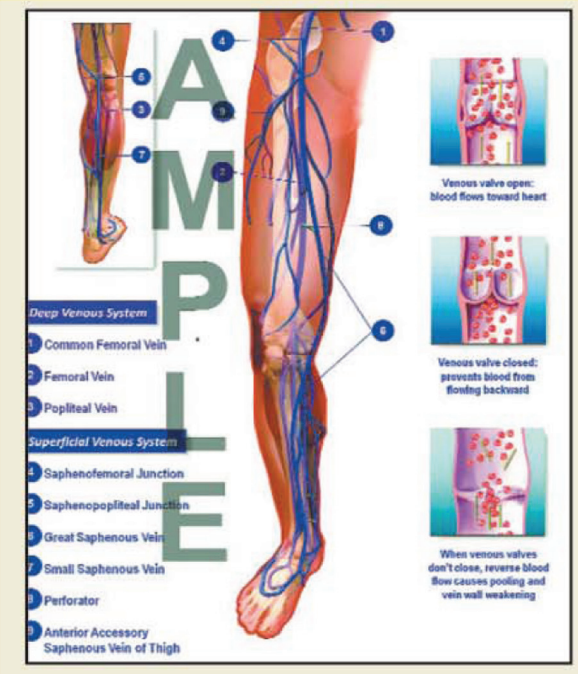

पैर में आमतौर पर अपस्फित नसें पैर के अंदर पाई जाती हैं, एड़ियों में और पिंडली के पीछे भी नसों का दबाव भड़ता है। प्रभावित नसें नीली, सूजी हुई, ऐंठन युक्त या मरोड़ी दिखती हैं। कुछ लोगों में अपस्फित नसों के कारण कोई भी लक्षण नहीं दिखते।

- पैरों में एक सुस्त दर्द
- दबाव या पैरों में भारीपन
- पैर और एड़ियों में सूजन
- क्षतिग्रस्त नसों के त्वचा के पास खुजली

लंबे समय की रुकावट से नसों का रक्त प्रवाह धीमा होने से स्थानीयकृत त्वचा में परिवर्तन और अधिक गंभीर मामलों में सूखापन एक खरोंच या भूरा रंग और घाव हो सकते हैं। धीमी गति से रक्त के प्रवाह भी प्रभावित होकर नसों के अंदर रक्त थक्का हो सकता है। इस हालत को घनास्त्रता कहते हैं। सामान्यत: अपस्फित नसों के लक्षण दिन के अंत में और बदतर हो सकते है, विशेष रूप से लंबे समय तक खड़े रहने के अवधि बाद यह समस्या उत्पन्न होती है। कुछ औरतों को उनके लक्षण माहवारी से पहले दिनों के दौरान और गर्भावस्था के दौरान अधिक दिखते हैं।

लैब स्पर्म से होंगे बच्चे

अब पुरुषों की त्वचा से स्तंभ कोशिकाएं निकालकर शुक्राणुओं का निर्माण कर बेबी शिशु का जन्म होगा। अभी तक टेस्ट ट्यूब के जरिए शिशु के जन्म में वैज्ञानिकों ने सफलता पाई थी। वैज्ञानिकों ने नई खोज केजरिए अब बाप बनना और आसान हो गया है।

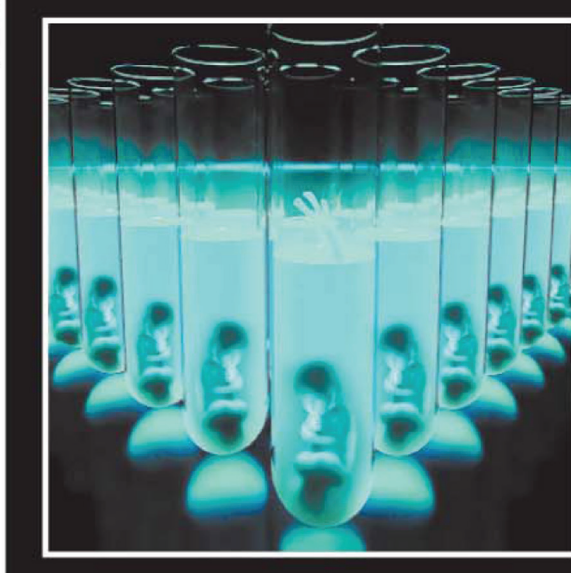

हाल ही में जापान के कुछ वैज्ञानिकों ने चूहों पर किए गए परीक्षण के दौरान शुक्राणु बनाने में कामयाबी मिलने का दावा करते हुए नपुंसकता का हल ढूंढने का ऐलान किया है। विज्ञान शोध की पत्रिका सेल में प्रकाशित एक शोधपत्र में जापान के क्योटो विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने चूहों की भ्रूण स्तंभ कोशिकाओं को शुक्राणु कोशिकाओं में बदलने में सफलता हासिल करने का दावा किया है। शोधकर्ताओं ने दावा किया है कि ये कोशिकाएं स्वस्थ शुक्राणुओं का निर्माण करने में सक्षम हैं। जब इन कोशिकाओं को एक नपुंसक चूहे में प्रविष्ट कराया गया तो इनसे पूरी तरह से स्वस्थ शुक्राणुओं का उत्सर्जन हुआ।

इन शुक्राणुओं से एक मादा चूहे के अंडाणुओं को निशेचित किया गया और इस चूहिया ने कुछ दिनों बाद एक बच्चे को जन्म दिया, जो पूरी तरह से स्वस्थ था। इस शोध से नपुसंकता के इलाज में बड़ी सफलता मिलने की उम्मीद है। दरअसल इस प्रक्रिया का इस्तेमाल करके पुरुषों की त्वचा से स्तंभ कोशिकाएं निकाल कर उनसे शुक्राणुओं का निर्माण किया जा सकता है। अगर यह खोज इंसानों पर भी कामयाब होती है तो इससे जीव विज्ञान की दिशा ही बदल जाएगी और नंपुसकता एक बीते समय की बात हो जाएगी। वैज्ञानिकों का दावा है कि शोध के दौरान परिणाम सकारात्मक आने से टीम बहुत खुश है। अब इंसानों पर शीघ्र ही यह प्रयोग आजमाया जाएगा। इसके बाद इसे पूरी दुनिया में लागू किया जाएगा।

एक योग मिटाए सोलह रोग

एसिडिटी : चौथाई कप कच्चे आंवले का रस और इसमें इतना ही शहद मिला कर नित्य सेवन करने से एसिडिटी (अम्लपित्त) में लाभ होता है। यह प्रयोग शाम के समय करें तो अच्छा है।

एनिमिया : चौथाई कप आंवले के रस में दो चम्मच शहद मिला कर थोड़ा पानी डालें, इस घोल का नित्य सेवन करने से खून की कमी दूर होती है।

एल्ब्यूमिनेरिया : दो चम्मच आंवले का रस और दो चम्मच शहद मिला कर नित्य लेने से पेशाब में धातु अर्थात एल्ब्यूमेन जाना बंद हो जाता है।

पेशाब में जलन : पचास ग्राम ताजे आंवले के रस में इतना ही शहद मिला कर थोड़ा पानी मिला कर प्रतिदिन सेवन करने से पेशाब खुल कर आता है और जलन दूर होती है।

यूरिन इंफेक्शन : चार चम्मच आंवले का रस, दो चम्मच शहद और एक चम्मच पीसी हल्दी का मिश्रण कुछ समय तक रोज लेने से पेशाब में मवाद जाना बंद हो जाता है।

कफ और कोल्ड : सर्दी जुकाम में भी आंवले का रस और शहद का योग बड़ा कारगर होता है। एक चम्मच आंवला चूर्ण एक चम्मच शहद के साथ मिला कर कुछ दिन तक नित्य सेवन करने से चमत्कारिक लाभ मिलता है।

इजी बर्थ : दो चम्मच आंवला चूर्ण दो कप पानी में तब तक उबालें जब तक एक कप पानी जल न जाए। ठंडा होने पर इसे छान कर दो चम्मच शहद मिला कर गर्भवती महिलाओं को नित्य दें। इससे प्रसव सहज और बिना अधिक दर्द के हो जाता है।

जोड़ों का दर्द : जोड़ों में दर्द हो तो तीन चम्मच आंवला रस दो चम्मच शहद के साथ प्रतिदिन खाली पेट प्रात: लेने से जोड़-जोड़ बेजोड़ हो जाते हैं।

पेट के रोग : एक चम्मच आंवला चूर्ण प्रतिदिन सोते समय शहद के साथ लेने से पेट के अनेक रोगों में लाभ होता है।

ल्यूकोरिया : महिलाओं के श्वेत प्रदर में भी यह योग अत्यंत लाभ करता है। तीन ग्राम पीसा आंवला 6 ग्राम शहद मिला कर नित्य सेवन से यह रोग दूर होता है।

डिसेन्ट्री या पेचिश : एक चम्मच पीसा आंवला इतने ही शहद के साथ नित्य दिन में तीन बार सेवन करने से इस रोग में लाभ होता है।

वर्म्स या कृमि : अगर पेट में कृमि हो तो एक औंस ताजे आंवले के रस में दो चम्मच शहद मिला कर नित्य दो बार दें। पेट के कृमि नष्ट हो जाते हैं।

रिजनरेशन अर्थात कायाकृप : नित्य प्रात: ताजे आंवले का रस पांच चम्मच और शहद तीन चम्मच मिला कर दो महीने तक नियमित खाली पेट लें। एक घंटे तक कुछ न खाएं तो शरीर का कायाकृप हो जाता है।

तंदुरुस्ती : पीसा आंवला एक चम्मच, दो चम्मच शहद के साथ लें। उपर से गो दुग्ध लें तो सदा स्वास्थ्य अच्छा रहता है।

आंवला और शहद का ऐसा अदभुत संयोग है कि इससे सोलह प्रकार के रोगों में आराम मिलता है। इस प्रयोगों को आप अवश्य लीजिए जल्द फायदा मिलेगा।

बालको ने रन फॉर जीरो हंगर में चौथी बार दिया सबसे अधिक पोषणयुक्त मील का योगदान

बालकोनगर। वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट टीम भावना और सामाजिक प्रतिबद्धता का परिचय देते हुए वीडीएचएम 'रन फॉर जीरो हंगर' चैलेंज 2025 का खिताब जीत लिया। इस वर्ष बालको ने लगातार चौथी बार यह ट्रॉफी अपने नाम की, जिससे समूह के भीतर बालको की फिटनेस, एकता और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति समर्पण की भावना पुनः प्रदर्शित हुई। 12 अक्टूबर तक चले इस अभियान में बालको ने कुल 15,93,142 किलोमीटर की दूरी तय की। वेदांता समूह की सभी व्यावसायिक इकाइयों में बालको इस वर्ष भी शीर्ष स्थान पर रहा। दिल्ली में आयोजित भव्य समापन समारोह में बालको को ट्रॉफी प्रदान की गई। वेदांता समूह के 'रन फॉर जीरो हंगर' अभियान का उददेश्य है कर्मचारियों द्वारा तय किए गए प्रत्येक किलोमीटर के बदले जरूरतमंद बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना। इस वर्ष वेदांता समूह ने तय 5 मिलियन किलोमीटर के लक्ष्य को हासिल किया। लगभग दो महीनों तक चले इस अभियान में बालको के कर्मचारियों, उनके परिवारजनों, व्यावसायिक साझेदारों और समुदाय के सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस अभियान ने न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को प्रोत्साहित किया, बल्कि सामूहिक प्रयास और समाजसेवा की भावना को भी सशक्त किया। प्राप्त ट्रॉफी को बालको परिवार की मेहनत का परिणाम बताते हुए बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा कि लगातार चौथी बार वीडीएचएम चैलेंज में विजेता बनना हमारे बालको परिवार की प्रतिबद्धता और एकजुटता का प्रमाण है। इस वर्ष 1.5 मिलियन से अधिक किलोमीटर की दूरी करना समुदाय की भलाई के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। फिटनेस के साथ समाजसेवा को जोड़ने का यह प्रयास हमारे स्वास्थ्य प्रथम दृष्टिकोण को और मजबूती प्रदान करता है।

समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल के समाज को वापस देने की भावना के अनुरूप, जुटाए गए भोजन को भारत के 14 राज्यों में संचालित लगभग 6,500 नंद घरों के बच्चों तक पहुँचाया जाएगा। अनिल अग्रवाल फाउंडेशन द्वारा संचालित यह पहल बाल विकास, पोषण और शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में एक प्रेरणादायक प्रयास है। बालको का यह चौथा निरंतर विजय वर्ष न केवल खेल भावना की जीत है, बल्कि एक स्वस्थ और कुपोषण-मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में कंपनी की सतत प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

अदाणी फॉउंडेशन ने किया मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन, 529 ग्रामीणों ने लिया नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ

रायपुर। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत अदाणी पावर लिमिटेड, राएखेड़ा की सीएसआर शाखा अदाणी फाउंडेशन के द्वारा ग्राम खम्हारिया में एक दिवसीय मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया। इस शिविर में कुल 529 ग्रामीणों ने स्वास्थ्य जांच, निःशुल्क परामर्श और दवा वितरण का लाभ उठाया। शिविर में अस्थि रोग, स्त्री रोग, शिशु रोग, पेट रोग, जनरल फिजिशियन और एम.डी. मेडिसिन सहित विभिन्न विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने भाग लिया। ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श और उपचार प्रदान किया गया। शिविर में महिलाओं और बच्चों की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। महिलाओं को मातृ स्वास्थ्य, पोषण और स्वच्छता संबंधी सलाह दी गई, जबकि बच्चों की ऊंचाई, वजन, आंख, दांत और पोषण स्तर की जांच की गई। पंजीकरण के बाद प्रत्येक मरीज की जांच की गई और आवश्यकतानुसार निःशुल्क दवाईयां वितरित की गई। प्रशिक्षित फार्मासिस्टों ने दवाओं के सेवन की विधि भी समझाई। अदाणी फाउंडेशन की टीम द्वारा आयोजित स्वास्थ्य जागरूकता सत्र में डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड, हडिडयों की कमजोरी और मौसमी रोगों से बचाव के उपाय बताए गए। डॉक्टरों ने नियमित स्वास्थ्य जांच की आवश्यकता पर भी बल दिया। ग्राम खम्हारिया और आसपास के क्षेत्रों से सैकड़ों लोग शिविर स्थल पर पहुंचे। मौके पर सुव्यवस्थित पंजीकरण, जांच, परामर्श और दवा वितरण की व्यवस्था की गई थी। पानी, छाया और बैठने की समुचित व्यवस्था भी थी। शिविर का शुभारंभ ग्राम पंचायत खम्हारिया की सरपंच सरोज छतरी द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर अदाणी फाउंडेशन के प्रतिनिधि, पंचायत सदस्य, मेडिकल टीम और ग्राम के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। ग्राम खम्हारिया की सरपंच सरोज छतरी ने कहा, अदाणी फाउंडेशन के इस प्रयास से गांव के लोगों को बड़ी सुविधा मिली है। हम चाहते हैं कि ऐसे शिविर हर वर्ष आयोजित हों। अदाणी फाउंडेशन के एक स्थानीय अधिकारी ने कहा, हमारा उददेश्य केवल उपचार देना नहीं, बल्कि लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। भविष्य में हम अन्य गांवों में भी ऐसे शिविर आयोजित करेंगे। शिविर की सफलता में अदाणी फाउंडेशन की टीम, ग्राम पंचायत और स्वयंसेवकों का समन्वय सराहनीय रहा। यह आयोजन न केवल चिकित्सा सुविधा का माध्यम बना।

रामानुजगंज पुलिस ने नशे के अवैध धंधा करने वाले दो आरोपियों को भेजा जेल

रामानुजगंज। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने नशे के अवैध धंधा करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर अपराध क्रमांक 170/2025 धारा 21 (सी) एनडीपीसी एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया है। पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार मंटू सोनी पिता प्रमोद सोनी उम्र 21 वर्ष निवासी ग्राम टंडवा थाना गढ़वा झारखंड,हाल निवास वार्ड क्रमांक 07 रामानुजगंज एवं दिलीप उर्फ भलटू गुप्ता पिता मनोज गुप्ता उम्र 21 वर्ष निवासी गोदरमाना थाना रंका जिला गढ़वा झारखंड के द्वारा नशीला इंजेक्शन एवं टैबलेट लेकर रिंग रोड में ग्राहक की तलाश में घूम रहे थे इसी बीच मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने दबिस दी और दोनों आरोपी पकड़े गए। मंटू के पास से अल्प्राजोलम 210 नग टेबलेट, 07 एम्पुल रेक्सोगेजिक इंजेक्शन एवं 05 एम्पुल एविल इंजेक्शन पाया गया। पूछताछ पर आरोपी मंटू ने बताया कि उक्त माल गोदरमाना झारखंड निवासी दिलीप उर्फ भलटू गुप्ता पिता मनोज गुप्ता से खरीद कर ग्राहकों को बेचने के लिए लाया हूं। तत्पश्चात दोनों आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया। उक्त कार्रवाई में निरीक्षक अजय साहू थाना प्रभारी,उप निरीक्षक बृजमोहन गुप्ता,सहायक उप निरीक्षक अतुल दुबे,प्रधान आरक्षक मायापति सिंह, नारायण तिवारी,महामाया शर्मा,विजय गुप्ता,आरक्षक आनंद गुप्ता , निकेश सिंह शामिल थे।

संघ के शताब्दी वर्ष उत्सव पर पथ संचलन एवं शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन

अम्लेश्वर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष उत्सव के अवसर पर रविवार को पाहंदा (अ) में एक भव्य पथ संचलन एवं शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने गणवेश में अनुशासित पंक्तियों में पथ संचलन किया, जिससे ग्राम में देशभक्ति एवं संगठन की भावना का वातावरण व्याप्त हुआ। शस्त्र पूजन के दौरान संघ के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने परंपरागत रूप से शस्त्रों की आरती कर राष्ट्र की रक्षा एवं समाज सेवा का संकल्प लिया। कार्यक्रम में प्रमुख वक्ताओं ने संघ के 100 वर्ष की गौरवशाली यात्रा का उल्लेख करते हुए समाज में संगठन, सेवा और संस्कार के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर मुख्य वक्ता जगदीश्वर बंछोर संयोजक धर्म जागरण दुर्ग, मुख्य अतिथि एस आर ठाकुर सेवानिवृत्त शिक्षक मोतीपुर, राजेंद्र साहू संघ किसान प्रमुख दुर्ग, चेलाराम साहू, विभाग सद्भाव प्रमुख तिवारी, संघचालक अमलेश्वर नगर, प्रकाश कश्यप नगर कार्यवाह अमलेश्वर, डीगेन्द्र ठाकुर मंडल कार्यवाह पहांदा मंडल, चेतन देवांगन, सुरेंद्र साहू प्रदेश प्रशिक्षण प्रमुख, मोहन लोधी सरपंच मोतीपुर, राजू साहू सरपंच झीट एवं अन्य स्वयं सेवक तथा ग्राम के अनेक गणमान्य नागरिक, विद्यार्थी, युवा एवं मातृशक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगीत के साथ हुआ।

नगर निगम जोन 2 कमिश्नर ने सफाई ठेकेदारो को विशेष सफाई अभियान एवं व्यवसायिक क्षेत्रो में द्वितीय पाली में अतिरिक्त सफाई अभियान के दिये निर्देश

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 2 के कार्यालय में जोन 2 जोन कमिश्नर डॉ आर.के. डोंगरे ने जोन 2 अंतर्गत सभी 7 वार्डो के सफाई ठेकेदारो की बैठक लेकर उन्हें दीपावली पर्व के पूर्व सभी वार्डो में निर्धारित संख्या में सफाई कामगारो की ड्यूटी पर उपस्थिति सुनिश्चित करवाते हुए विशेष साफ सफाई अभियान चलाये जाने के निर्देश दिये। जोन कमिश्नर ने सफाई ठेकेदारो को व्यवसायिक क्षेत्र में दिन की द्वितीय पाली में सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिये। व्यवसायिक क्षेत्रो में दिन में 2 बार दीपावली के पूर्व विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिये गये। बैठक में जोन 2 जोन स्वास्थ्य अधिकारी रवि लावनिया सहित जोन स्वास्थ्य विभाग के स्वच्छता निरीक्षक, वार्ड सफाई सुपरवाईजर उपस्थित थे।

महापौर परिषद की बैठक विभिन्न कार्यो को दी मंजूरी

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई महापौर परिषद की बैठक महापौर नीरज पाल की अध्यक्षता एवं आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय की उपस्थिति में आहूत की गई। बैठक में 7 एजेंडा प्रस्तुत किया गया था। जिसमें प्लेसमेंट वाहन चालक एवं हेल्पर उपलब्ध कराने, मिलियन प्लस सिटी अंतर्गत प्रस्ताव सहित आई.ई.सी गतिविधियों का योजनाबद्ध कियान्वयन जैसे विशयों को शामिल किया गया था। निगम के वाहन शाखा हेतु उच्च कुशल, कुशल एवं अर्द्धकुशल वाहन चालक एवं हेल्पर उपलब्ध का कार्य। 15वें वित्त आयोग के मिलियन प्लस सिटी अंतर्गत प्रस्तावों की कार्ययोजना के संबंध में। निगम के जलकार्य विभाग हेतु कुशल, अर्द्धकुशल एवं अकुशल श्रमिक उपलब्ध कराने का कार्य। स्वच्छ भारत मिशन 2.0 अंतर्गत आई.ई.सी. गतिविधियों का योजना बद्ध तरीके से कियान्वयन एवं निरीक्षण के संबंध में। सभी एजेण्डा पर महापौर परिषद के सदस्यों ने विस्तृत चर्चा कर कार्य कराये जाने की सर्व सम्मति से पारित किया गया है। महापौर नीरज पाल को सभी उपस्थित सदस्यों एवं अधिकारियों ने अखिल भारतीय महापौर परिषद के सचिव बनने की बधाई दिए। आप और परिषद के सदस्यों एवं अधिकारियों ने पुष्प गुच्छ देकर बधाई दिए हैं। बैठक में महापौर परिषद के सदस्य सीजू एन्थोनी, लक्ष्मीपति राजू, संदीप निरंकारी, साकेत चंद्राकर, लालचंद वर्मा, आदित्य सिंह, केशव चौबे, केशव बंछोर, चंद्रशेखर गंवई, मालती ठाकुर, रीता सिंह गेरा, अपर आयुक्त राजेंद्र दोहरे, उप अभियंता कार्यपालन अभियंता वेशराम सिन्हा, अनिल सिंह, सहायक अभियंता प्रिया करसे, अर्पित बंजारे उपस्थित रहे।

मोबाइल दुकान में हुई नकबजनी का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

- पुलिस ने घटना के 24 घंटे के भीतर किया खुलासा, चोरी गया 10 हजार का माल बरामद

दुर्ग। चौकी नागपुरा क्षेत्र अंतर्गत मोबाइल रिपेयरिंग दुकान में हुई चोरी की वारदात का पुलिस ने मात्र कुछ ही घंटों में पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में एक अपचारी बालक सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए चोरी गया मसरूका बरामद किया है। प्रार्थी अमरूद लाल ब्यास पिता कुन भाई ब्यास (उम्र 48 वर्ष), निवासी सरकारी बैंक के पीछे, नागपुरा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी मोबाइल रिपेयरिंग दुकान का सेंटर लॉक तोड़कर अज्ञात चोरों ने 14 नग मोबाइल फोन और एक पैकेट स्क्रीन गार्ड, कुल कीमत लगभग 1,50,000, चोरी कर लिए। यह घटना 10 अक्टूबर 2025 की रात 8 बजे से 11 अक्टूबर 2025 की सुबह 6 बजे के बीच की बताई गई। रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 445/2025, धारा 331(4), 305 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। 2. टोमन साहू उर्फ डायमंड पिता श्याम लाल साहू (उम्र 18 वर्ष), निवासी सिकोला बस्ती, थाना मोहन नगर पूछताछ में तीनों ने चोरी की वारदात को स्वीकार किया। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने 4 नग मोबाइल, 1 पैकेट स्क्रीन गार्ड (कीमती लगभग 10,000), दो रॉड एवं घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जब्त की। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि चोरी किए गए 10 एंड्रॉयड मोबाइल फोन को उन्होंने डिब्बा सहित शिवनाथ नदी में फेंक दिया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को दिनांक 11 अक्टूबर 2025 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। इस नकबजनी मामले का खुलासा करने में चौकी प्रभारी सउनि राजकुमार देशमुख, प्रआर 1459, प्रआर 1234, आरक्षक 115, 918, 1822, 1135, 388 का सराहनीय योगदान रहा। वरिष्ठ अधिकारियों ने टीम की तत्परता एवं विवेकपूर्ण कार्यवाही की प्रशंसा की है। पुलिस की त्वरित और कुशल कार्रवाई से यह स्पष्ट होता है कि दुर्ग पुलिस अपराधियों पर त्वरित नियंत्रण एवं क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

कोसरिया मरार पटेल समाज झीट महुदा राज में हुआ शपथ ग्रहण और सम्मान समारोह का आयोजन

अम्लेश्वर। दुर्ग जिला अंतर्गत कोसरिया मरार पटेल समाज झीट महुदा परिक्षेत्र को छत्तीसगढ़ कोसरिया मरार पटेल समाज ने राज का दर्जा दिया है। जिसमें कामता पटेल को अध्यक्ष बनाया गया है, सचिव देवेंद्र बिट्टू पटेल को बनाया गया है, कोषाध्यक्ष हितेंद्र जीतू पटेल को बनाया गया है, वही समाज के प्रवक्ता के रूप में कमल पटेल को जिम्मेदारी दिया गया है। कोसारिया मरार पटेल समाज झीट महुदा के तत्वधान में शपथ ग्रहण समारोह एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत शाकंभरी देवी की पूजा अर्चना से की गई। तत्पश्चात क्रमशः अतिथियों का आगमन हुआ जिसमे प्रथम पाली के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भूपेश बघेल पूर्व मुख्यमंत्री एवं विधायक पाटन रहे। द्वितीय पाली के मुख्य अतिथि रहे दुर्ग सांसद विजय बघेल।कार्यक्रम की अध्यक्षता सुनील पटेल छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष कोसरिया पटेल समाज ने किया। विशेष अतिथि के रूप में जनपद अध्यक्ष कीर्ति नायक, जिला पंचायत प्रतिनिधि राजेश चंद्राकर,जनपद प्रतिनिधि अरविंद जोशी, राकेश साहू ग्राम पंचायत सरपंच रूपेंद्र राजू साहू, तेजराम पटेल छत्तीसगढ़ प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष मरार पटेल समाज, वीरेंद्र पटेल सरपंच ग्राम पंचायत कापसी, मोनिका धर्मेंद्र पटेल सरपंच ग्राम पंचायत रूही, ललित पटेल छत्तीसगढ़ प्रदेश महासचिव, लोचन पटेल छत्तीसगढ़ प्रदेश संरक्षणक रामेश्वर पटेल छत्तीसगढ़ पटेल संरक्षक, गया पटेल, खेलूराम पटेल, पवन पटेल, कुबेर पटेल, दुलेश्वर पटेल, कमलेश पटेल, शंकर पटेल, मनराखन पटेल, ईश्वर पटेल, राजकुमार पटेल, लक्ष्मी नारायण पटेल ,सियाराम पटेल, दिनेश पटेल ,विनोद पटेल, विनोद पटेल, शगुन पटेल रहे। दुर्ग सांसद विजय बघेल ने पटेल समाज के भवन में किचन सेट और बाउंड्रीवॉल का लोकार्पण भी किया। कार्यक्रम में सभी सम्मानित अतिथियों ने अपने उद्बोधन में समाज को एकजुट के साथ रहने पर जोर दिया साथ ही समाज के उत्थान के लिए समाज के पदाधिकारी काम करते हैं जिसके लिए हम सबको एक रहने की बात कही गई साथ ही समाज की विकास के लिए प्रमुखों के द्वारा मांग रखी गई जिस पर अतिथियों के द्वारा घोषणा किया गया। सामाजिक भवन,बाउंड्री वॉल, किचन सेट के निर्माण समाज के द्वारा रखी गई है। उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने मांग को पूर्ण करने की बात कही है। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों का साल श्रीफल और प्रतीक चिन्ह भेंट का सम्मान किया गया।

एन्टी क्राइम एंड साइबर यूनिट की टीम ने दुर्ग, भिलाई, राजनांदगांव, बालोद, बेमेतरा और रायपुर में चलाया विशेष अभियान

एसीसीयू दुर्ग की बड़ी सफलता: 201 गुम मोबाइल बरामद, 41 लाख रुपये का माल मालिकों को सौंपा जा रहा

दुर्ग। जिले में लगातार बढ़ रही मोबाइल गुमशुदगी की शिकायतों के बाद एसीसीयू दुर्ग ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। टीम ने विभिन्न जगहों से कुल 201 गुम मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 41 लाख रुपये बताई जा रही है। गुम मोबाइलों की तलाश और उनके वास्तविक मालिकों तक पहुंचाने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने विशेष निर्देश जारी किए थे। उनके मार्गदर्शन में एन्टी क्राइम एंड साइबर यूनिट एवं जिले के सभी थाना प्रभारी की टीमों ने संयुक्त रूप से यह अभियान चलाया। कई जिलों में फैला ऑपरेशन, बरामदगी में जुटी पुलिस टीमों की सराहनीय भूमिका-साल 2024-2025 के दौरान गुम हुए मोबाइलों से संबंधित आवेदन पत्रों की जांच कर पुलिस टीम ने दुर्ग, भिलाई, राजनांदगांव, बालोद, बेमेतरा और रायपुर जैसे इलाकों में सघन खोज अभियान चलाया। इस दौरान विभिन्न कंपनियों के कुल 201 मोबाइल फोन बरामद किए गए। इन मोबाइलों को अब संबंधित आवेदकों को विधिवत प्रक्रिया के तहत सुपुर्द किया जा रहा है। पुलिस विभाग के अनुसार, एन्टी क्राइम एंड साइबर यूनिट की टीम ने मेहनत और तकनीकी दक्षता से यह सफ लता हासिल की है। मोबाइल लिस्ट सोशल मीडिया पर भी उपलब्ध, नागरिक कर सकते हैं मिलान-वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार, बरामद मोबाइलों के IMEI नंबरों की सूची दुर्ग पुलिस के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट्स पर अपलोड की जा रही है। मोबाइल गुम होने की रिपोर्ट दर्ज कराने वाले नागरिक अपने मोबाइल के IMEI नंबर की ऑनलाइन जांच कर सकते हैं। यदि नंबर मेल खाता है तो वे एन्टी क्राइम एंड साइबर यूनिट कार्यालय, सेक्टर-3 दुर्ग से संपर्क कर अपना मोबाइल प्राप्त कर सकते हैं। पुलिस की अपीलः मोबाइल गुम होने पर तुरंत रिपोर्ट करें-दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि मोबाइल गुम होने या चोरी होने की स्थिति में तुरंत नजदीकी थाने या साइबर सेल में रिपोर्ट दर्ज कराएं, ताकि समय रहते उसकी लोकेशन ट्रेस की जा सके। इस सफल कार्रवाई ने एक बार फिर यह साबित किया है कि तकनीक और सतर्कता के मेल से अपराध नियंत्रण संभव है।

सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों की मदद करने के लिए गगेंद्र सिंह राजपूत को गुड समरीटन अवार्ड से सम्मानित

अम्लेश्वर। छत्तीसगढ़ राज्य सड़क सुरक्षा परिषद द्वारा सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों की मदद करने के लिए गगेंद्र सिंह राजपूत को गुड समरीटन अवार्ड से सम्मानित किया गया। उन्हें 25,000 रुपये, मेमेंटो और प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। सम्मान के मुख्य बिंदुः गुड समरीटन अवार्ड सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों की मदद करने के लिए दिया जाने वाला सम्मान है। जिसे गगेंद्र सिंह राजपूत ने ग्रहण किया।सम्मानित करने वालेः माननीय उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और माननीय अरुण साव जी है। इस सम्मान का उद्देश्यः सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करना और घायल व्यक्तियों की मदद करने के लिए प्रोत्साहित करना।उन्हे अस्पताल तक पहुंचाना है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com